RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 238 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 29-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल को तबाह करने की कोशिश से भाजपा देश में सत्ता गंवा देगी : ममता बनर्जी

6 मेजर आदित्य भदौरिया: पुलवामा के शेर ने किया खूंखार आतंकवादी को ढेर

7 हनुमान जयंती पर सामने आएगा रणबीर कपूर का 'राम' लुक

पूरी शक्ति से पश्चिम एशिया संकट का मुकाबला कर रहा भारत : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 11,200 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण समेत कार्गो हब का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिमी एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है और भारत देशवासियों के भरोसे के साथ इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है।

मोदी ने वैश्विक संकट की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा, मैं प्रदेश व देश के सभी राजनीतिक दलों से आग्रह पूर्वक कहना चाहता हूं कि इस प्रकार के संकट से ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा, जो भारतीयों और भारत के हक में है, वही भारत सरकार की नीति और रणनीति हैं। राजनीति के लिए गलत बयानबाजी करने वाले राजनीतिक बहस में कुछ नंबर पाएंगे लेकिन देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को देश की जनता कभी माफ नहीं करती।

प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 11,200 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण समेत कार्गो हब का उद्घाटन करने के बाद जेवर में एक समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, आज पूरा विश्व चिंतित हैं, पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है। युद्ध की वजह से कई सारे देशों में खाने-पीने के सामान, डीजल, खाद का संकट सामने आया है। मोदी ने कहा, हर देश इस संकट का सामना करने के लिए कुछ न कुछ प्रयास कर रहा है लेकिन भारत देशवासियों की ताकत के भरोसे इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है।

कांग्रेस ने वोटवैंक बनाने के लिए 'घुसपैठ मॉडल' अपनाया : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांगिया (असम)/भाषा। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वोट बैंक बनाने और सत्ता में बने रहने के लिए 'घुसपैठ का मॉडल' अपनाया।

केंद्रीय मंत्री ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम इकाई के पूर्व अध्यक्ष भावेश कलिता के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर असम को घुसपैठियों के हवाले करने का आरोप लगाया।

चौहान ने कहा, जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब असम का जल, जंगल और जमीन घुसपैठियों के हाथों में सौंप दी गई थी, जिन्होंने कई लाख बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया। जो भी आना चाहता था, वह ऐसे प्रवेश कर सकता था कि मानो राज्य कोई धर्मशाला हो। यह हमारी जमीन है... दूसरे देशों के लोग यहां आकर क्यों बसें? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने घुसपैठियों को आधार कार्ड देकर और उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज करके उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया।

चौहान ने कहा, यह पाप था। कांग्रेस ने घुसपैठ का तरीका अपनाया, लेकिन भाजपा का तरीका श्रीमंत शंकरदेव के आदर्शों पर चलना और जनकल्याण के लिए काम करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब 1979 में असम में विद्यार्थियों ने विदेशियों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया, तो तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने आंदोलनकारियों पर गोली चलाई।

फर्स्ट टेक

लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी की संपत्ति कुर्क

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को रियासी जिले में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए काम करने वाले एक व्यक्ति की अचल संपत्ति कुर्क की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी मोहम्मद कासिम के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 25 के तहत कुर्की की यह कार्यवाही आतंकी समर्थक तंत्र को खत्म करने के अभियान का हिस्सा थी। उन्होंने बताया कि 2024 में महोरे थाने में यूएपीए, शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दर्ज की गयी प्राथमिकी में कासिम नामजद है।

पाकिस्तान, आईएमएफ ने 1.2 अरब डॉलर की राशि को लेकर किया समझौता

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दो अलग-अलग व्यवस्थाओं के तहत लगभग 1.2 अरब डॉलर के लिए एक शुरुआती समझौता किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने शनिवार को बताया कि दोनों पक्षों ने विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) की तीसरी समीक्षा और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और अन्य पर्यावरण अनुकूल पहल (रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी) से जुड़ी सुविधा के तहत दूसरी समीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कर ली है। आईएमएफ के प्रतिनिधिमंडल ने 25 फरवरी से दो मार्च तक कराची और इस्लामाबाद में पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी, लेकिन उस समय कोई समझौता नहीं हो पाया था। इसके बाद बातचीत ऑनलाइन जारी रही और अंत में मुद्राकोष के अधिकारियों और सरकार के बीच सहमति बन गई।

डोनबास पर समझौते की शर्त का जेलेंस्की का दावा झूठा: रुबियो

पेरिस/एपी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के उस दावे को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन किसी युद्धविराम योजना के तहत अमेरिकी सुरक्षा गारंटी के बदले यूक्रेन से उसके पूर्वी डोनबास क्षेत्र को रूस को सौंपने की मांग कर रहा है। फ्रांस में जी-7 की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में रुबियो ने जेलेंस्की की हालिया टिप्पणी का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन के साथ बातचीत में ऐसी कोई शर्त नहीं रखी है। रुबियो ने कहा, यह झूठ है। वह (जेलेंस्की) अच्छी तरह जानते हैं कि यह सत्य नहीं है और उनसे ऐसा कुछ नहीं कहा गया।

विरोध प्रदर्शन

शनिवार को अखिल कर्नाटक कैथोलिक क्रिश्चियन कन्नड़ संघ के सदस्यों ने फ्रीडम पार्क में चर्चों में कन्नड़ भाषा में प्रार्थना और धार्मिक अनुष्ठान की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

तेलंगाना के विधायक राजा सिंह ने 'वंदे मातरम' के विरोध पर सवाल उठाया, हिंदू राष्ट्र' का किया आह्वान

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के विधायक टी. राजा सिंह ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और ''भारत माता की जय'' के नारे लगाने का विरोध करने वालों पर निशाना साधा तथा सवाल किया कि भारत ''हिंदू राष्ट्र'' क्यों नहीं बन सकता। यहां राम नवमी की शोभायात्रा में गोशामहल के विधायक ने शुक्रवार को कहा कि जो लोग भारत को अपना देश मानते हैं, उन्हें राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' और ''भारत माता की जय'' का नारे लगाने का विरोध नहीं करना चाहिए तथा ''लव जिहाद'' जैसी गतिविधियों में भी शामिल नहीं होना चाहिए।

''लव जिहाद'' शब्द का उपयोग दक्षिणपंथी समूहों द्वारा मुस्लिम पुरुषों द्वारा हिंदू महिलाओं को प्रेम संबंधों और विवाह के जाल में फंसाकर उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करने की साजिश का आरोप लगाने के लिए किया जाता है।

सिंह ने पूछा, क्या 'भारत माता की जय' का नारा या वंदे मातरम गीत गाने से किसी का धर्म खतरे में पड़ जाता है?''

अयोध्या में यज्ञशाला में भीषण आग, कोई जनहानि नहीं

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामनवमी के अवसर पर आयोजित एक महायज्ञ के दौरान शनिवार को यज्ञशाला में भीषण आग लग गई, जिससे पूरा पंडाल कुछ ही देर में आग की लपटों में घिर गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार यह आयोजन उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह द्वारा कराया जा रहा था। 'श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ' की यज्ञशाला राम मंदिर से लगभग 800 मीटर की दूरी पर स्थित थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कुछ ही क्षणों में आग ने मुख्य यज्ञशाला को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि यज्ञ के दौरान नारियल की 'महा-आहुति' देते समय हुए विस्फोट के कारण आग लगी।

अदाणी डिफेंस ने सेना को 2,000 'प्रहार' लाइट मशीन गन की पहली खेप सौंपी

ग्वालियर/भाषा। देश की एक रक्षा कंपनी ने शनिवार को 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निर्मित 2,000 'प्रहार' लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप भारतीय सेना को सौंप दी। 'प्रहार' नामक यह एलएमजी 7.62 एमएम कैलिबर की है जिसे 'अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस' द्वारा ग्वालियर के बाहरी क्षेत्र स्थित इसके लघु अस्त्र परिसर में निर्मित किया गया है। अंबरासु ने सेना के लिए बनी एलएमजी की पहली खेप ले जा रहे ट्रकों को हरी झंडी दिखाई। कंपनी के एक प्रवक्ता ने बताया कि एलएमजी के लिए कुल ऑर्डर लगभग 40,000 हथियारों का है।

मेरी विरासत एक महान शांतिदूत के रूप में दर्ज होगी तो मुझे अच्छा लगेगा : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

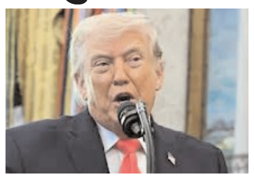

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल भारत एवं पाकिस्तान समेत आठ युद्ध रुकवाने का एक बार फिर दावा करते हुए कहा है कि वह चाहेंगे कि उनकी विरासत एक महान शांतिदूत के रूप में बने।

ट्रंप ने मियामी में सऊदी समर्थित 'फ्यूचर इन्वेस्टमेंट इनिशिएटिव (एफआईआई) प्रायोरिटी समिट' को संबोधित करते हुए अपना यह दावा दोहराया कि उन्होंने आर्मेनिया और अजरबैजान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा, कंबोडिया और थाईलैंड, मिस्र और इथियोपिया, सर्बिया और कोसोवो तथा इजराइल और हमास के बीच युद्ध समेत आठ युद्ध रुकवाने में मदद की।

ट्रंप ने कहा, मैं चाहूंगा कि मेरी विरासत एक महान शांतिदूत के रूप में बने क्योंकि मैं सचमुच मानता हूं कि मैं शांतिदूत हूं। अभी ऐसा नहीं लगता लेकिन मेरा मानना है कि मैं शांति स्थापित करने वाला हूं।

सऊदी अरब हवाई अड्डे पर ईरानी हमले में 24 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल

दुबई/एपी। सऊदी अरब के एक हवाई अड्डे पर पिछले सप्ताह ईरानी हमलों में 24 से अधिक अमेरिकी सैनिक घायल हो गए हैं। इस बारे में जानकारी रखने वाले दो व्यक्तियों ने यह खुलासा किया है। दोनों व्यक्तियों ने यह जानकारी अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर दी क्योंकि वे टिप्पणी करने के लिए अधिकृत नहीं थे।

यमन ने पश्चिम एशिया युद्ध में पहली बार इजराइल की ओर दागी मिसाइल

दुबई/एपी। यमन ने शनिवार तड़के इजराइल की ओर एक मिसाइल दागी और यह पहली बार है जब इजराइल पर यमन ने हमला किया है। इजराइल की सेना ने यह जानकारी दी। इस बीच, ईरान और हिजबुल्ला ने शुक्रवार रात से शनिवार तक इजराइल पर हमले जारी रखे तथा बीर शेबा एवं इजराइल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास के इलाके में रात के दौरान तीसरी बार सायरन बजे। यमन की राजधानी सना पर तेहरान समर्थित हूती विद्रोही समूह का 2014 से कब्जा है। हूती विद्रोही इस युद्ध से अब तक दूर रहे हैं। दरअसल 2015 में यमन की निर्वासित सरकार की ओर से इस समूह के खिलाफ युद्ध करने वाले सऊदी अरब एवं विद्रोहियों के बीच वर्षों से एक असहज संघर्षविराम की स्थिति है।

29-03-2026 सूर्यास्त 6:31 बजे	30-03-2026 सूर्योदय 6:17 बजे
BSE 73,583.22 (-1,690.23)	NSE 22,819.60 (-486.85)
सोना 15,249 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 236,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कुछ तो...

खुल रही फ़ाइलें सबकी ही,
कुछ तो गड़बड़ है।
बिजलियां चमकने लगीं,
हुई नभ में गड़गड़ है।
सच सचमुच आना बाकी,
या कोरी बड़बड़ है।
ट्रोलिंग में एपस्टीन आज,
सब में हड़बड़ है।।

सहज स्मृति योग

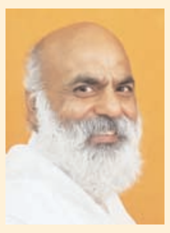

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, मैं भारतीय प्रशासनिक सेवा में हूँ और सेवा निवृत्त होने वाला हूँ। पूरे सेवा काल के दौरान मैं न केवल समाधान बताता और देता आया हूँ बल्कि उन्हें क्रियान्वित भी करवाता आया हूँ लेकिन अब मैं जब-जब एकांत में अपने काम का सिंहावलोकन करने बैठता हूँ तब-तब मुझे यही पता चलता है कि मुझे पता ही नहीं रहा कि समस्या क्या है? मैं आध्यात्म की शरण में आना चाहता हूँ। क्या वहाँ तृप्ति मिलेगी? कृपया बताएँ कि जीवन की असली समस्या क्या है और उसका समाधान क्या है ?

उत्तर: असल में तो जीवन स्वयं समाधान ही है। परंतु उसे, वह जैसा है, सतत वैसे का वैसा ही, नहीं देखते रह पाने से जो साक्षात् समाधान है वही सक्षात् समस्या सा दिखने या लगने लगता है। समस्याओं का सृजन ऐसे ही होता है और, यहीं इसी बिंदु से संघर्ष आरंभ होता है। या यों कह लीजिए कि, जीवन में समस्याओं के होने का भ्रम; ऐसे ही उत्पन्न होता है। यदि जीवन में अपनी असलियत को अपना लिया जाए तो, असलियत में जीवन कैसा है इसका दर्शन अपने आप ही होने लगता है। हम स्वयं समाधान स्वरूप होने, दिखने या लगने लगते हैं, स्वयं को भी और दूसरों को भी। जीवन में असलियत किसी ऐसे व्यक्ति के संग साथ चलने से स्वतः आती जाती है जो व्यक्ति हमें हमारी असलियत की खोज करने की अवधि में असली लगे। नितांत व्यावहारिक धरातल पर उतर कर कहूँ तो, यथोचित सत्संग का अभाव ही जीवन की असल समस्या है। जीवन में सत्संग की यथोचित उपस्थित का भाव और भान ही उसका समाधान है। आप जागरूक होकर ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि ये सभी शब्द जैसे भाव, उपस्थिति, सत्संग, समाधान, सत्य, संवादइत्यादि जिनका हमारे-आपके संवाद में उपयोग हो रहा है वे विभिन्न संदर्भों में प्रकट हुए यथार्थ (शब्द) के पर्यायवाची ही तो हैं । तृप्ति, बिना त्याग के नहीं मिलती। जितना त्याग उतनी तृप्ति। पूर्ण तृप्ति, पूर्ण त्याग के क्षण में प्रकट होती है और तब व्यक्ति सनातन पूर्ण हो जाता है। कर्म से ज्ञान श्रेष्ठ, ज्ञान से ध्यान श्रेष्ठ, ध्यान से त्याग श्रेष्ठ और त्याग से शांति/पूर्णता/मोक्ष/समाधि/पूर्ण तृप्ति। यही क्रम है यह सब जानते हैं किंतु, अभ्यास कितने करते हैं ?

सरकार ने पीएम ई-ड्राइव योजना में संशोधन किया

ई-स्कूटर, ई-रिक्शा के लिए नई समय सीमा निर्धारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

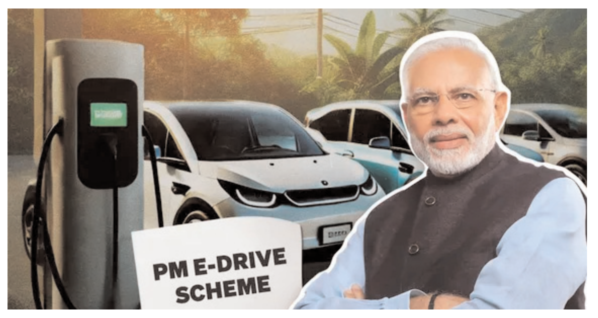

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने ई-स्कूटर और ई-रिक्शा के लिए नई समयसीमा और अधिकतम वाहनों की संख्या तय करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना पीएम ई-ड्राइव में संशोधन किया है।

केंद्र सरकार ने 10,900 करोड़ रुपए की पीएम ई-ड्राइव (पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एनहांसमेंट) दिशानिर्देश संशोधित किए हैं। इसके अनुसार, 31 जुलाई, 2026 तक पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन और 31 मार्च, 2028 तक पंजीकृत इलेक्ट्रिक तीनपहिया वाहन (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) योजना के तहत प्रोत्साहन पाने के पात्र होंगे। प्रोत्साहन राशि का लाभ उठाने के लिए अधिकतम 'शोरूम' कीमत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए 1.5 लाख रुपए और इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) के लिए 2.5 लाख रुपए तक सीमित है। पीएम ई-ड्राइव योजना एक सीमित निधि वाली योजना है। इस योजना के तहत कुल भुगतान 10,900 करोड़ रुपए के योजना परिव्यय तक सीमित रहेगा। भारी उद्योग मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, यदि योजना या इसके संबंधित उप-घटकों के लिए धनराशि योजना की अंतिम तिथि, यानी 31 मार्च 2028 से पहले समाप्त हो जाती है, तो योजना या इसके संबंधित उप-घटकों को तदनुसार बंद कर दिया जाएगा, यानी आगे कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिसूचना में कहा गया कि पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 होगी और पंजीकृत इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च, 2028 होगी।

भारत में मातृ मृत्यु दर में 1990-2023 के दौरान करीब 80% की गिरावट : वैश्विक विश्लेषण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में मातृ मृत्यु दर 1990 के मुकाबले 2023 में लगभग 80 प्रतिशत कम हो गई। इस दौरान यह दर प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 508 से घटकर 116 हो गई। एक नई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। 'द लांसेट ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी एंड वीमेन्स हेल्थ जर्नल' में प्रकाशित एक नई वैश्विक विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2023 में कुल 24,700 मातृ मृत्यु के मामले दर्ज किए गए, जिससे मातृ मृत्यु अनुपात प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 116 रहा।

अनुमानों के अनुसार, इसी वर्ष पाकिस्तान में कुल 10,300 मातृ मृत्यु के मामले सामने आए, जबकि अफ्रीकी देशों इथियोपिया और नाइजीरिया में क्रमशः 11,900 और 32,900 मातृ मृत्यु दर्ज की गईं। वॉशिंगटन विश्वविद्यालय के 'इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्युएशन' (आईएचएमई) के शोधकर्ताओं और वैश्विक सहयोगियों के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में कहा गया है कि पिछले तीन दशकों में मातृ मृत्यु में कमी आई है, लेकिन हाल के वर्षों में प्रगति की रफ्तार धीमी पड़ी है और यह विभिन्न देशों में असमान बनी हुई है। उन्होंने बताया कि 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज' (जीबीडी) अध्ययन 2023 तक 204 देशों और क्षेत्रों में मातृ मृत्यु दर के रुझानों का सबसे अद्यतन वैश्विक आकलन प्रस्तुत करता है।

नवीनतम नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) 2021-23 के अनुसार, देश में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) प्रति लाख जीवित जन्मों पर 88 है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि यह आंकड़ा सुरक्षित गर्भावस्था और प्रसव सुनिश्चित करने की दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री सदैव देश के लिए खड़े रहते हैं : मुख्यमंत्री नायब सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर मोर्चे पर अपने देश के नागरिकों के साथ मजबूती से खड़े रहते हैं, चाहे वह कोविड महामारी हो या पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष। सैनी ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर ऐसे संकटों का राजनीतिकरण करने का भी आरोप लगाया। सैनी ने हरियाणा में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति को लेकर कहा कि वह सुचारू और निर्बाध बनी हुई है।

उन्होंने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर तीन रुपए प्रति लीटर करने और डीजल को शुल्क से पूरी तरह मुक्त करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस राहत का मतलब है कि इससे ईंधन की कीमतें स्थिर रखने में मदद मिलेगी। सैनी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'राष्ट्र प्रथम' के अटूट संकल्प से प्रेरित होकर अपने साथी नागरिकों के साथ हर मोर्चे पर मजबूती से खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सहयोग करना विपक्ष की जिम्मेदारी है लेकिन वह लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में पेट्रोल, डीजल और गैस की कोई कमी नहीं है। सैनी ने कहा, मैं लोगों से कहना चाहता हूं कि किसी भी घबराने की जरूरत नहीं है। उन्हें घबराकर खरीदारी नहीं करनी चाहिए और किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा, हम नियमित रूप से तेल विपणन कंपनियों के संपर्क में हैं और उनके साथ बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 4,032 सरकारी पेट्रोल पंप हैं, जहां औसतन 4,804 किलोलीटर पेट्रोल और 12,003 किलोलीटर डीजल की बिक्री होती है।।

ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद, लोग अफवाहों पर ध्यान न दें : मुख्यमंत्री मान

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को जनता को भरोसा दिया कि घबराहट में ईंधन की खरीदारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में ईंधन का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। मान ने संवाददाताओं से कहा, हमारे पास तेल का पर्याप्त भंडार है, जैसा कि हाल तक रहा करता था। हमारे देश में एलपीजी की आपूर्ति भी पर्याप्त है। मैं लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने का आग्रह करता हूं। हम मांग पूरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, लोग घबराहट में ईंधन की अंधाधुंध खरीदारी न करें। घरों में ईंधन का बड़ी मात्रा में भंडारण खतरनाक हो सकता है, और मैं ऐसे जोखिम न लेने की सलाह देता हूं।

मान ने जनता को आश्वस्त करते हुए कहा, राज्य में फिलहाल 12-14 दिनों के लिए पेट्रोल और डीजल और छह दिनों के लिए एलपीजी का भंडार है और आमतौर पर सालभर ऐसी ही स्थिति रहती है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क को घटाकर तीन रुपए प्रति लीटर करने और डीजल को पूरी तरह से शुल्क से छूट देने के कदम का स्वागत किया। मान ने हालांकि कहा कि उन्होंने केंद्र से आग्रह किया है कि पंजाब में गेहूं की बंपर फसल के मद्देनजर पेट्रोल, डीजल और डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) उर्वरक की बढ़ी हुई और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों की ऑनलाइन बैठक में शामिल हुए। उन्होंने कहा, ऑनलाइन बैठक के दौरान, मैंने पंजाब से संबंधित सभी प्रमुख मुद्दों को उठाया। मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे राजनयिक माध्यमों का सक्रिय रूप से उपयोग करें, ताकि देश को किसी भी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े।

इंडिगो का विमान इंजन में खराबी के कारण दिल्ली में आपात स्थिति में उतरा

मुंबई/भाषा। विशाखापत्तनम से दिल्ली जा रहा इंडिगो का विमान इंजन में खराबी के कारण शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतरा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। एक सूत्र ने कहा, इंडिगो की विशाखापत्तनम-दिल्ली उड़ान 6ई 579 के एक इंजन में खराबी के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्वाह्न 10 बजकर 39 मिनट पर पूर्ण आपात स्थिति घोषित की गई। सूत्र ने बताया कि बोइंग 737 विमान में 160 यात्री सवार थे।

उड़ान पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24 डॉट कॉम' के अनुसार, विमान पूर्वाह्न 10 बजकर 59 मिनट पर उतरा। इस बीच, इंडिगो ने एक बयान में कहा, 28 मार्च 2026 को विशाखापत्तनम से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान 6ई 579 में हवाई अड्डे पर उतरने से कुछ समय पहले तकनीकी खराबी का पता चला। बयान में कहा गया, विमान चालकों ने एहतियाती कदम के तौर पर और मानक परिचालन प्रक्रिया के अनुसार, प्राथमिकता के आधार पर विमान उतारने की अनुमति मांगी और विमान दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने कहा, सभी संबंधित प्राधिकारियों को तुरंत सूचित कर दिया गया और विमान की आवश्यक जांच एवं रखरखाव किया जा रहा है।

एआई कंपनियों पर कर लगाने की नीतियों पर विचार कर रही तेलंगाना सरकार : रेवंत रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा है कि राज्य सरकार कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनियों पर कर लगाने की नीतियों पर विचार कर रही है ताकि इसके कारण नौकरियां गंवाने वाले लोगों को मुआवजा दिया जा सके। रेड्डी ने अमेरिका स्थित 'हार्वर्ड केनेडी स्कूल' की कृत्रिम मेधा (एआई) संगोष्ठी को शुक्रवार रात डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए एआई को ''दो धारी तलवार'' बताया और सचेत किया कि अगर इसका शुरुआत में ही प्रबंधन नहीं किया गया तो इसके जोखिम इसके लाभ से अधिक हो सकते हैं।

'हार्वर्ड केनेडी स्कूल' में हाल में पांच दिवसीय नेतृत्व कार्यक्रम पूरा करने वाले रेड्डी ने कहा, हम प्रदूषण से संबंधित उन नीतियों जैसी नीतियां लाने की भी कोशिश करेंगे जिनमें प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को 'कार्बन क्रेडिट' के लिए भुगतान करना पड़ता है - हम ऐसे कानून लाने की कोशिश करेंगे ताकि एआई कंपनियों पर लोगों की नौकरी पर पड़े असर की भरपाई के लिए कर लगाया जा सके।

उन्होंने कहा, यह बिल्कुल उचित है कि खरबों अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन वाली हमारी कंपनियां उन लोगों और समाज को मुआवजा दें जिनकी नौकरियां चली जाती हैं।

मुख्यमंत्री ने पहले हुए प्रौद्योगिकी संबंधी बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि मशीनों ने हाथ से होने वाले काम को आसान बनाया है, न कि उसकी जगह ली है। उन्होंने कहा, एआई प्रौद्योगिकी चिकित्सकों, वकीलों, वास्तुकारों, फिल्म निर्माताओं, लेखकों, कवियों, नीति निर्माताओं की जगह लेने के बजाय उनके काम के दायरे को बदलेगी।

कांकेर में तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर/भाषा। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में एक महिला माओवादी सहित तीन माओवादियों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कांकेर जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के अनुसार, एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) राधिका कुंजाम और संदीप कड़ियाम तथा पार्टी सदस्य रैनू पद्दा ने सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण के दौरान उन्होंने तीन हथियार-दो सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर) और एक .303 राइफल भी जमा कराए।

पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर क्षेत्र में सक्रिय अन्य माओवादी कैडरों से संपर्क स्थापित कर उन्हें भी मुख्यधारा में शामिल कराने के प्रयास जारी हैं। इससे पहले, 25 और 26 मार्च को जिले में छह अन्य माओवादियों ने भी आत्मसमर्पण किया था।

बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम ने इन सभी नौ माओवादी कैडरों के आत्मसमर्पण के फैसले का स्वागत करते हुए शेष माओवादियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की।

'आर्ट ऑफ गिविंग' के लिए इस साल की थीम घोषित की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केआईआईटी और केआईएसएस विश्वविद्यालय की ओर से 'आर्ट ऑफ़ गिविंग 2026' की थीम घोषित की गई है। दी गई जानकारी के अनुसार, 17 मई 'आर्ट ऑफ़ गिविंग' का स्थापना दिवस है, जिसे दुनियाभर में इसके लाखों समर्थक खुशी, एकजुटता और मानवता की भावना के साथ मनाते हैं। इस साल की थीम 'शेयर टू शाइन' है। संस्थान ने कहा कि हर साल की तरह, हम सरल और सार्थक विचार के साथ आए हैं। यह एक बहुत ही सीधा-सादा विचार है। जब आप अपनी चीज़ें, अपना भोजन, अपना समय, अपना ज्ञान, अपना प्रेम, अपना प्रयास आदि दूसरों के साथ बांटते हैं, तो कम नहीं हो जाते। बल्कि भीतर से चमकने लगते हैं। संस्थान ने कहा कि एक मोमबत्ती दूसरी मोमबत्ती को जलाने से कुछ भी नहीं गंवाती। वह तो बस दुनिया को और ज्यादा रोशन कर देती है।

संस्थापक प्रो. अच्युत सामंत ने आर्ट ऑफ़ गिविंग परिवार के सभी सदस्यों का आह्वान करते हुए कहा कि इस विषय को अपने रोज़मर्रा के जीवन में लाएं।

इसके लिए आपके पास बहुत कुछ होना ज़रूरी नहीं है। किसी के साथ भोजन साझा करें, जिन्हें देखभाल की ज़रूरत है उन्हें अपना समय दें, किसी को कुछ सीखने में मदद करें, या बस अपनत्व भरे कुछ शब्द ही कह दें। उन्होंने कहा कि नेक भावनाओं के साथ किया गया एक छोटा-सा प्रयास भी किसी के जीवन में सच्ची रोशनी ला सकता है।

वेस्ट बैंक में इजराइली कार्रवाई का विरोध करने की हिम्मत प्रधानमंत्री मोदी में नहीं : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में हिम्मत नहीं है कि वह वेस्ट बैंक में इजराइली की ओर से कि जा रही कब्जे की कार्रवाई का विरोध करें और अपने मित्र बेंजामिन नेतन्याहू के सामने सच बोल सकें। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इजराइल पश्चिम एशिया में युद्ध के बहाने अपने ग्रेटर इजराइल के नजरिए को आगे बढ़ा रहा है।

रमेश ने पोस्ट किया, ईरान पर अमेरिका-इजराइल की बमबारी और ईरान के जवाबी हमले का आज 28वां दिन है। पिछले चार हफ्तों में, जबकि दुनिया की नजर होर्मुज जलडमरूमध्य और खाड़ी देशों में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर रही है, इजराइल ने गाजा के लोगों पर अपनी क्रूरता जारी रखी है, दक्षिणी लेबनान में अपने लिए एक बड़ा बफर जोन बनाने के लिए अभियान शुरू किया और वेस्ट बैंक पर अपने कब्जे को पक्के कब्जे में बदलने के लिए कदम उठाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान पश्चिम एशिया युद्ध इजराइल को ग्रेटर इजराइल के अपने दृष्टिकोण पर आगे बढ़ने के लिए कवर प्रदान कर रहा है और फलस्तीनी राष्ट्र के लिए किसी भी उम्मीद को भी ख़त्म कर रहा है।

पार्षद के बेटे से जुड़े यौन शोषण मामले में 100 से अधिक पीड़ित हैं : कांग्रेस नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। कांग्रेस की गोवा इकाई के अध्यक्ष अमित पाटकर ने शनिवार को दावा किया कि जिस यौन शोषण मामले में एक पार्षद का बेटा आरोपी है उसमें 100 से अधिक नाबालिग पीड़ित हैं और पुलिस शुरू में मामला दर्ज करने में आनाकानी कर रही थी।

दक्षिण गोवा के कुर्चोरेम नगरपालिका परिषद सदस्य सुशांत नाइक के बेटे सोहम (20) को नाबालिग लड़कियों से कथित तौर पर बलात्कार करने, उनके अश्लील वीडियो बनाने और उन्हें प्रसारित करने के आरोप में 21 मार्च को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पीओसीएसओ) अधिनियम, गोवा बाल अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत दर्ज चार मामलों में गिरफ्तार किया गया था।

पाटकर ने गोवा प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित विरोध मार्च के दौरान संवादाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, पीड़ितों की संख्या 100 से अधिक है। आरोपी पिछले तीन वर्षों से यह अपराध कर रहा था। यह यौन उत्पीड़न मामला जितना बताया जा रहा है, उससे कहीं अधिक बड़ा है। पाटकर ने दावा किया कि नाबालिग लड़कियां कुर्चोरेम, मारगाओ, वास्को डी गामा और पोंडा जैसे स्थानों से हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को परामर्श प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता है, ताकि वे दबाव में कोई भी चरम कदम न उठाएं। उन्होंने सवाल उठाया, आरोपी इस सप्ताह 21 वर्ष का हो गया है। इसका मतलब है कि वह 17-18 वर्ष की आयु से ही अपराध में लिप्त था। कुर्चोरेम पुलिस ने शुरू में मामला दर्ज करने में आनाकानी की और स्थानीय निवासियों के दबाव के बाद ही मामला दर्ज किया।

जम्मू-कश्मीर में पर्यटन बढ़ाने के लिए समग्र रणनीति आवश्यक : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि केवल केबल कार परियोजनाओं के भरोसे पर्यटन को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता, इसके लिए बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और सतत विकास पर आधारित समग्र रणनीति बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कर्नाह क्षेत्र में केबल कार परियोजना को लेकर यह मान लेना गलत है कि इससे स्वतः ही बड़ी संख्या में पर्यटक आने लगेंगे। उमर ने गुलमर्ग का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां गोंडोला प्रमुख आकर्षण है, लेकिन अन्य स्थानों पर ऐसी परियोजना वैसी सफलता हासिल नहीं कर सकी हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रीनगर, जम्मू और पटनीटॉप में केबल कार परियोजनाओं को गुलमर्ग जैसी पर्यटकों की संख्या नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास के लिए क्षेत्र विशेष के अनुरूप व्यापक योजना बनानी होगी। कर्नाह क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता का जिक्र करते हुए उमर ने स्वीकार किया कि अब तक इसके पर्यटन विकास के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए गए हैं।

उमर ने कहा कि दूरदराज और पिछड़े इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने यहां ट्रैकिंग और हाइकिंग जैसे साहसिक पर्यटन की संभावनाओं पर भी बल दिया। सतत और समावेशी विकास की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े होटलों के बजाय स्थानीय स्तर पर 'होमस्टे' को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे स्थानीय लोगों को सीधे आर्थिक लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग लगातार नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने के प्रयास कर रहा है, संसाधनों और व्यवहार्यता के आधार पर इन्हें पर्यटन मानचित्र पर लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि डोडा जिले के पर्यटन स्थलों जैसे लाल द्रामन, देदनी, दल द्रामन, रामरचना, गलाधार और देसा में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास जारी हैं। साथ ही भद्रवाह के उधराना और सरना सहित कई नए क्षेत्रों को पर्यटन स्थल के रूप में अधिसूचित करने का प्रस्ताव विचाराधीन है।

तेज रफ्तार थार ने बुजुर्ग और उसके दो नातियों की जान ली

गुरुग्राम/भाषा। पटौदी के खोड गांव में एक तेज रफ्तार थार कार ने दो लड़कों और उनके नाना को कुचल दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आठ और दस साल के जायद खान और ईशांत की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनके नाना, 53 वर्षीय सुभाष ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतक राजस्थान के भिवाड़ी जिले के मिल्कपुर गांव के निवासी थे। पुलिस के अनुसार, सुभाष अपने दो नातियों के साथ खोड गांव के पास लोकरा रोड पर अपने भाइयों से मिलने आया था। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार की रात करीब 11 बजे जब वह अपने नातियों के साथ घर लौट रहा था, तभी एक महिंद्रा थार ने कथित तौर पर उन्हें पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वे कई फुट दूर जा गिरे। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया; हालांकि, उसका चालक अभी भी फरार है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हमने थार वाहन की नंबर प्लेट के आधार पर चालक की पहचान कर ली है। उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के समय थार वाहन तेज गति से चलाया जा रहा था।

सरकार ने शिक्षा, कानून और स्वास्थ्य क्षेत्र को बहुत महत्व दिया है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा, कानूनी सिस्टम और स्वास्थ्य क्षेत्र को बहुत महत्व दिया है। वह शनिवार को मैसूरु के विश्वेश्वरनगर में नए बने जेसी स्पोर्ट्स मेडिसिन सेंटर और मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। जेसी स्पोर्ट्स मेडिसिन सेंटर और मल्टी-स्पेशलिटी हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. गिरीश चंद्रा एक काबिल डॉक्टर हैं और उनके पिता भी मैसूरु तालुक के पहले डॉक्टर थे। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा और स्वास्थ्य ज़रूरी हैं और इंसान के लिए स्वस्थता के साथ जीना और भी ज़रूरी है। डॉ. गिरीश चंद्रा गरीबों का फ्री इलाज करके एक डॉक्टर के तौर पर अपनी ज़िंदगी को सार्थक बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज में गरीबों का इलाज हो सके तो फ्री में और अगर नहीं तो कम खर्च में होना चाहिए। यहां के लोग मेरे, जो मैसूरु जिले से हैं, डॉ. के एहसानमंद हैं। इसलिए, मैंने मैसूर के विकास को खास प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि इंसान को समाज के प्रति जागरूक होकर अपनी ज़िंदगी को मतलब का बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने कहा था कि आज़ादी तभी मतलब की होगी जब समाज में आर्थिक, सामाजिक और पढ़ाई-लिखाई में बराबरी होगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने सबके लिए सामाजिक और आर्थिक सफलता की दिशा में मज़बूत कदम उठाए हैं। हालांकि अपनी बात पर चलना मुश्किल काम है, लेकिन हम अपनी बात पर चलने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिनके पास खाने-पीने की चीज़ें या कपड़े नहीं हैं, वे असली गरीब हैं। एक बराबरी वाला समाज बनाने के लिए, गरीबों को सामाजिक और आर्थिक रूप से मज़बूत बनाना चाहिए। उन्होंने कहा गैर-बराबरी खत्म होनी चाहिए। हमारे देश में बुद्ध, बसव, अंबेडकर आए और गए, और हमें उनकी कही बातें समझनी चाहिए। गांधीजी ने अंत्योदय, सर्वोदय का मंत्र दिया।

देश में कोई भी सरकार असम सरकार जितनी भ्रष्ट नहीं है : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/गुवाहाटी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को यहां आरोप लगाया कि असम के प्रशासन जितना भ्रष्ट कोई अन्य प्रशासन नहीं है और दावा किया कि राज्य के सभी मंत्रियों के साथ ही उनके परिवार के सदस्य भी भ्रष्टाचार में शामिल हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर असम के मौजूदा मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के पहले के आरोपों को लेकर सवाल उठाया और दावा किया कि भाजपा में शामिल होने वाला हर व्यक्ति पूरी तरह से ''बेदाग'' हो जाता है।

असम विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक शिवकुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''असम में जिस तरह का प्रशासन चल रहा है, यहां जिस स्तर का भ्रष्टाचार हो रहा है, वैसा भ्रष्टाचार देश के किसी अन्य राज्य में नहीं है। पूरा मंत्रालय इसमें शामिल है। कुछ भाजपा नेता और यहां तक कि उनके परिवार के सदस्य भी इसमें लिप्त हैं।''

कांग्रेस में वर्ष 2015 में मंत्री रहते हुए शर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों वाली भाजपा की 'पुस्तिका' का जिक्र करते हुए शिवकुमार ने पूछा, ''उनके पुराने भ्रष्टाचार के आरोप कैसे मिट गए और वे बेदाग कैसे हो गए, भाजपा के चहेते कैसे बन गए? अमित शाह को इसका जवाब देना होगा। क्या उनको (शर्मा) गंगा या ब्रह्मपुत्र या किसी अन्य नदी में डुबकी लगवाकर शुद्ध किया गया है? भाजपा में शामिल होने वाले सभी लोग इसी तरह डुबकी लगाने के बाद पाक-साफ हो जाते हैं।''

कांग्रेस नेता ने दावा किया कि असम के लोग बदलाव चाहते हैं और अगले महीने होने वाले चुनावों में निर्णायक रूप से मतदान करेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले 15 दिनों से वह बेंगलूरु में रहने वाले असमिया लोगों से मिलकर उनके विचार जानने की कोशिश कर रहे हैं। शिवकुमार ने शर्मा पर 'हिटलर की तरह' सरकार चलाने का आरोप लगाते हुए कहा, अगर हम उन्हें बताते कि हम उनके विचार सोशल मीडिया पर प्रकाशित करना चाहते हैं, तो वे डर जाते हैं क्योंकि इससे उनकी जान को खतरा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार की आलोचना करने पर मीडिया को भी धमकियां दी जा रही हैं। जब शिवकुमार से पूछा गया कि क्या प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर शर्मा द्वारा लगाए गए पाकिस्तान से संबंध के आरोपों का पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर असर पड़ेगा, तो उन्होंने कहा कि इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा, ''गौरव गोगोई सांसद हैं, प्रदेश पार्टी अध्यक्ष हैं और पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे हैं। शर्मा को गोगोई के नेतृत्व में हारने का डर है, इसलिए उन्होंने ये झूठे आरोप लगाए हैं। इस पर किसी ने विश्वास नहीं किया।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रद्युत बोरदोलोई के भाजपा में शामिल होने का जिक्र करते हुए शिवकुमार ने कहा कि भाजपा को अपने खिलाफ लगे आरोपों पर सफाई देनी चाहिए। बोरदोलोई आगामी चुनावों के लिए विपक्षी पार्टी की घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष थे और उन्होंने पिछले महीने सरकार के खिलाफ 'आरोपपत्र' तैयार किया था।

शिवकुमार ने कहा, ''सरकार के खिलाफ हमारे आरोप बेहद गंभीर हैं। और ये आरोप उस व्यक्ति (बोरदोलोई) ने लगाए हैं जो भाजपा में शामिल हुए और अब उनके पार्टी उम्मीदवार हैं। भाजपा को इन आरोपों का जवाब देना होगा।'' असम विधानसभा की 126 सीटों के लिए चुनाव नौ अप्रैल को होंगे और मतों की गिनती चार मई को होगी। कांग्रेस 2016 से असम में सत्ता से बाहर है।

चिन्नास्वामी में क्रिकेट की वापसी, अफरा तफरी की बजाय शांत और व्यवस्थित दिखा स्टेडियम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कई महीनों की अनिश्चितता और विचार-विमर्श के बाद शनिवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सत्र के शुरूआती मैच से क्रिकेट की वापसी हुई। स्टेडियम की तैयारियां भी काफी अच्छी और संतोषजनक रहीं।

आरसीबी के चार जून 2025 को खिताबी जीत के जश्न के दौरान यहां मची भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। इस घटना ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में क्रिकेट मुकाबलों की मेजबानी करने की संभावनाओं को खतरे में डाल दिया था। लेकिन वेंकटेश प्रसाद के नेतृत्व में नव-निर्वाचित कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) प्रशासन ने राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के साथ लगातार बैठकें कीं, ताकि स्टेडियम को मैचों की मेजबानी करने की अनुमति मिल सके।

आईपीएल मैच के लिए सभी संबंधित लोगों को तैयार करने के मकसद से 23 मार्च को दो 'मॉक ड्रिल' किए गए थे। इसके बावजूद थोड़ी घबराहट जरूर रही होगी क्योंकि मैच की स्थिति से निपटना एक बिल्कुल ही अलग और बड़ी चुनौती होती है। लेकिन स्टेडियम के समीप कब्बन रोड और क्वींस रोड पर भीड़ की आवाजाही को नियंत्रित करने से लेकर स्टेडियम में अधिक अनुशासित प्रवेश सुनिश्चित करने तक शाम की शुरुआत काफी शांतिपूर्ण रही। स्टेडियम की तैयारियां भी काफी अच्छी और संतोषजनक रहीं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''हमने स्टेडियम के बाहर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया है ताकि लोग गेट के पास इकट्ठे नहीं हो सकें। मैच शुरू होने से चार घंटे पहले ही स्टेडियम के गेट खोल दिए जाने से हमारा काम थोड़ा और आसान हो गया है। '' सड़कों पर तैनात पुलिसकर्मियों ने किसी को भी सड़क पर दो मिनट से ज्यादा देर तक खड़े नहीं रहने दिया और उन्हें अपने गेट की ओर आगे बढ़ने का आग्रह किया।

इस बार स्टेडियम से कुछ दूरी पर पार्किंग के लिए अधिक व्यवस्थित जगहें निर्धारित की गई थीं। उदाहरण के लिए गरुड़ा मॉल और फ्रीडम पार्क जैसी जगहों पर पार्किंग की व्यवस्था थी, जहां से खेल प्रेमी पैदल चलकर स्टेडियम तक जा सकते थे या फिर उन्हें वहां से स्टेडियम तक पहुंचाने की सुविधा (ड्रॉप) मिल सकती थी।

आरसीबी के लगभग 80 प्रतिशत टिकट ऑनलाइन बेचने के फैसले से मैच के दिन गेट के पास भीड़ कम हो गई। यह पिछले साल के मुकाबले बिल्कुल अलग था क्योंकि पहले आखिरी मिनट में टिकट ढूंढने वाले लोग स्टेडियम की ओर जाने वाली सड़कों पर ठसाठस भर जाते थे। यहां तक कि जर्सी बेचने वाले और टैटू बनाने वालों की संख्या भी बहुत कम थी जो पहले घूमते रहते थे। उन्हें सड़कों के कुछ खास हिस्सों तक ही सीमित कर दिया गया था।

लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम के आस-पास हर जगह एक बिल्कुल अलग तरह का अनुशासन देखने और महसूस करने को मिला जो पहले के माहौल से एकदम अलग था। इसके बावजूद अपार उत्साह, मैदान पर जबरदस्त एक्शन और आरसीबी के खिलाड़ियों के लिए लोगों का समर्थन बिल्कुल भी नहीं बदला। यह तब साफ दिखा जब विराट कोहली मैच से पहले अभ्यास के लिए मैदान में उतरे और लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

आईपीएल के पहले मैच से पहले खिलाड़ियों और अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखा

बेंगलूरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले मैच से पहले खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने एक मिनट का मौन रखकर उन 11 प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जिनकी पिछले साल हुई भगदड़ में जान चली गई थी। पिछले साल जून में आरसीबी के पहले आईपीएल खिताब की जीत के जश्न के दौरान शहर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ में यह अप्रिय घटना हुई थी। जश्न मनाने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई थी और गेट पर बहुत ज्यादा भीड़ हो गई जिससे भगदड़ मच गई जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हुए और 11 लोगों की मौत हो गई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने भगदड़ में जान गंवाने वाले प्रशंसकों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए आईपीएल 2026 का उद्घाटन समारोह को पहले ही रद्द कर दिया था। श्रद्धांजलि के तौर पर स्टेडियम की 11 सीटों को हमेशा के लिए खाली रखने का फैसला किया गया है। ये सीटें इस स्टेडियम में होने वाले भविष्य के सभी आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान हमेशा खाली रहेंगी। पहले मैच के दिन राज्य के गृह मंत्री और केएससीए के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद ने स्टेडियम के अंदरूनी प्रवेश द्वार के पास एक स्मारक पट्टिका का अनावरण किया।

फर्जी रजिस्ट्रेशन प्लेट के इस्तेमाल पर रिकी राय के खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने फर्जी पंजीकरण नंबर प्लेट वाली एक महंगी 'स्पोर्ट्स' कार से खतरनाक करतब करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद दिवंगत अंडरवर्ल्ड डॉन मुथप्पा राय के बेटे रिकी राय के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) (धोखाधड़ी), 340(2) (जाली दस्तावेज बनाना और जाली दस्तावेजों का उपयोग करना) और 341 (जाली दस्तावेज बनाने के इरादे से जाली मुहर रखना) के तहत 26 मार्च को कब्बन पार्क थाने में मामला दर्ज किया गया था। यह घटनाक्रम 21 मार्च की सुबह अनिल कुंबले सर्कल पर एक स्पोर्ट्स कार के कथित तौर पर तेज गति से करतब करते हुए वायरल हुए वीडियो के बाद सामने आया है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ था। पुलिस ने बताया कि वीडियो में कुछ लोग कार की सनरूफ से बाहर खड़े होकर चिल्लाते हुए दिखाई दिए।

पुलिस ने पहले वाहन मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। बाद में कार राय के आवास पर मिली और उसे जब्त कर लिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि दिल्ली में पंजीकृत वाहन में एक आकर्षक कर्नाटक पंजीकरण संख्या वाली नंबर प्लेट लगी हुई थी।

महिला पेशेवरों ने कर्नाटक सरकार की मासिक धर्म अवकाश नीति के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय में 15 महिला पेशेवरों के एक समूह ने एक याचिका दायर कर राज्य सरकार की उस अधिसूचना को चुनौती दी है जिसमें कामकाजी महिलाओं को प्रति माह एक दिन का सवैतनिक मासिक धर्म अवकाश प्रदान किया गया है। राज्य में विभिन्न संगठनों में कार्यरत महिलाओं ने 23 मार्च को याचिका दायर कर 20 नवंबर, 2025 की सरकारी अधिसूचना को रद्द करने का अनुरोध किया है।

उन्होंने इस नीति को संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 और 21 का उल्लंघन बताया। इस मामले पर अगली सुनवाई के लिए एक अप्रैल की तारीख तय की गयी है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि यह उन पूर्वाग्रहों को और मजबूत करता है जिनसे महिलाओं ने दशकों तक लड़ने के बाद पार पाने की कोशिश की है और इससे अनिवार्य रूप से भर्ती तथा पदोन्नति में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव होगा।

होराट्टी ने शकुंतला रामकृष्ण हेगड़े से मुलाकात की

बेंगलूरु//दक्षिण भारत। कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होर्राट्टी ने शुक्रवार को सदाशिवनगर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री रामकृष्ण हेगड़े की पत्नी शकुंतला हेगड़े के 'कृतिका' आवास पर उनसे मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। इस यात्रा के दौरान, लेफ्टिनेंट रामकृष्ण हेगड़े की पुत्री ममता निच्छानी ने अपने माता-पिता के बलिदान के दिनों को याद करते हुए भाषण दिया। हेगड़े ने सदन में घोषणा की थी कि भारत-चीन युद्ध के दौरान वे अपने परिवार के सभी सोने के आभूषण सैनिकों के कल्याण कोष में दान कर देंगे। इसलिए, जब शकुंतला हेगड़े ने अपने हाथ में पहना हुआ शुभ हार दान करने की पेशकश की, तो रामकृष्ण हेगड़े ने उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा, जब मैं तुम्हारे साथ हूँ तो तुम्हें इस शुभ हार की क्या आवश्यकता है? तब से लेकर आज तक, श्रीमती शकुंतला हेगड़े का बिना किसी सोने के आभूषण के अत्यंत सरल जीवन व्यतीत करना उनके महान व्यक्तित्व का प्रमाण है। हेगड़े का परिवार न केवल राजनीतिक है बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी उसकी गहरी भूमिका रही है। उनकी माता सरस्वती हेगड़े ने स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लिया और जेल में समय बिताया। इसी प्रकार, उनकी बहन महादेवी हेगड़े ने आचार्य विनोबा भावे की अनुयायी के रूप में सर्वोदय आंदोलन को अपना जीवन समर्पित कर दिया। सभापति बसवराज होर्राट्टी ने रामकृष्ण हेगड़े के प्रति अपार सम्मान और मित्रता के कारण सीट चयन में की गई यात्रा की और परिवार के सदस्यों के साथ पुरानी यादें साझा कीं।

आईआईएमबी के दीक्षांत समारोह में नौ स्नातक ने जीते स्वर्ण पदक

बेंगलूरु। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट बेंगलूरु ने 27 मार्च को अपना 51वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के कुल 785 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कार्यक्रम और एमबीए कार्यक्रमों के छात्रों को डिग्री प्रदान की गई – जिनमें एंटरप्राइज मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीईएम), मैनेजमेंट में कार्यकारी स्नातकोत्तर कार्यक्रम (ईपीजीपी), बिजनेस एनालिटिक्स में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीबीए) और मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) शामिल हैं। लोक नीति एवं प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीपीएम) के छात्रों को मास्टर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (लोक नीति) की डिग्री प्राप्त हुई। एक पीएचडी शोधार्थी को शोध में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार दिया गया, जबकि सर्वांगीण सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, प्रथम और द्वितीय स्थान के लिए स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

इस वर्ष प्रतिष्ठित संस्थान से छात्रों ने मुख्य अतिथि, बोर्ड सदस्यों, प्रभारी निदेशक, डीन, संकाय सदस्यों, पूर्व छात्रों और संस्थान के कर्मचारियों की उपस्थिति में स्नातक की उपाधि प्राप्त की, साथ ही उनके परिवारों की गर्व भरी मुस्कान और जोरदार जयकारे भी सुनाई दिए। इस वर्ष कुल नौ छात्रों ने स्वर्ण पदक जीते हैं। इसके अलावा, एक पीएचडी छात्र को शोध में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्राप्त हुआ है। दीक्षांत समारोह में एचडीएफसी लाइफ की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री विभा पाडलकर ने सभी स्नातकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में प्रवेश करते हुए, याद रखें कि स्थायी सफलता क्षणिक प्रगति से नहीं, बल्कि निरंतर निर्णयों से बनती है। नेतृत्व की असली परीक्षा अल्पकालिक प्रदर्शन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन के बीच संतुलन बनाने में निहित है। सब कुछ हासिल करना संभव है, लेकिन हमेशा एक साथ नहीं – प्राथमिकता निर्धारण और दृढ़ता ही कुंजी हैं। आप दीर्घकालिक रणनीति अपनाएं और सार्थक, स्थायी प्रभाव पैदा करें। सुश्री पदालकर ने स्नातक छात्रों को समझाया कि जीवन में स्प्रिंट की तेज़ रफ़्तार से आगे बढ़कर एक अधिक लचीली और टिकाऊ मैराथन की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्थान और करियर स्प्रिंट में नहीं बनते, बल्कि ऊर्जा, महत्वाकांक्षा, आत्मविश्वास और साहस के साथ एक लंबी दूरी की दौड़ की क्रमिक विकास प्रक्रिया से बनते हैं, और नेतृत्व का अर्थ है विभिन्न दृष्टिकोणों को एकीकृत करना। उन्होंने टिकाऊ करियर के लिए सटीकता और समझाने की क्षमता के महत्व, वर्षों में निर्मित विश्वास और गति बढ़ाने के लिए धीमे चलने पर भी बल दिया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-नीलामी कैटेलॉग संख्याः पार्क-बीजीएम-डीडब्ल्यूआर दिनांक 23.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम
- बेलगावी रेलवे स्टेशन पर फोर-व्हीलर पार्किंग संविदा
- धारवाड़ रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार पर संयुक्त पार्किंग संविदा।

संविदा अवधिः तीन (03) वर्ष

ई-नीलामी कार्यक्रम : प्रारम्भ : 08.04.2026 10.00 बजे

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, हुबली
PUB/1033/AAD360/PRB/SWR/2025-26

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-निविदा सूचना सं: B-TRD-29-2025-26-OT-47 दिनांक: 24.03.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलूरु विभाग पर विभिन्न ओएचई/पीएसआई चेतावनी बोर्डों और सेक्शनिंग डायग्राम का प्रावधान।	रु. 72,10,395.49

ई-निविदा सूचना सं: B-TRD-29-2025-26-OT-48 दिनांक: 24.03.2026

Item of work	Approx. Value
बेंगलूरु विभाग पर टॉवर कारों के लिए लाईटिंग की व्यवस्था।	रु. 10,27,675.66

ऊपर दिए हुए निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथिः 16.04.2026, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/टीआरडी/बेंगलूरु
PUB/1020/AAF/PRB/SWR/2025-26

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं.45-सीडब्ल्यूएम-यूबीएलएस-2025-26 दिनांकः 25.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1.	4992 नग मात्रा एलएचबी पहिया सेट हेतु 24 माह की अवधि के लिए रिम ट्रेड रीजन पर एलएचबी व्हील डिस्कस का अल्ट्रा सोनिक परीक्षण।	रु. 31,91,485.44 (जीएसटी सहित)

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 16.04.2026 को 16:00 बजे तक

निविदा सूचना सं.44-सीडब्ल्यूएम-यूबीएलएस-2025-26 दिनांकः 24.03.2026

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1	कैरिज रिपेयर वर्कशॉप हुबली में 5एस प्रमाणन, आईएसओ 3834 प्रमाणन और एकीकृत प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन के कार्यान्वयन के उद्देश्य के लिए जब भी कभी अपेक्षित हो आधार पर विनायल बोर्ड, गैर टियरेबल शीट और कार्ड शीट आदि की डिजाइनिंग, प्रिंटिंग, आपूर्ति और स्थापना।	रु. 6,32,650.96 (जीएसटी सहित)

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 15.04.2026 को 16:00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in

उप मुख्य वर्कशाप प्रबंधक, हुब्बल्लि
PUB/1031/AAD360/PRB/SWR/2025-26

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

पैनलबद्धता के लिए रूचि की अभिव्यक्ति के लिए सूचना (ईओआई)

अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सुधारीकृत ऑन-बोर्ड सर्विस पॉलिसी के कार्यान्वयन के लिए सेवा प्रदाताओं की पैनलबद्धता के लिए रूचि की अभिव्यक्तियां (ईओआई) आमंत्रित करते हैं।

दस्तावेज सीलबंद लिफाफे में प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता, दूसरा तल, यांत्रिक विभाग, रेल सौधा, गडग रोड, हुबली-580020 के कार्यालय पते पर व्यक्तिगत रूप से अथवा डाक से प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 22.04.2026 को 18.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.swr.indianrailways.gov.in

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/मुख्यालय, हुबली
PUB/1034/AAD360/PRB/SWR/2025-26

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. वाई-ई-29-2025-26-108 दिनांक 26.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1.	1. कि.मी. 88/200 पर अनधिकृत कॉसिंग से बचने के लिए बंद एलसी नं. 79 के स्थान पर अतिरिक्त आरयूबी, पहुंच मार्ग हेतु कवर शैड सहित (2मी. स्पष्ट ऊंचाई के साथ 1x5 मी x 2.15 मी. आरसीसी बॉक्स), के प्रस्तावित निर्माण के लिए ओएचई. 2. मावनकेरे-हासन स्टेशनों के बीच अनधिकृत कॉसिंग रोकने के लिए आरयूबी के निर्माण के लिए ओएचई सुधार.	रु. 17,26,139.60/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 16.04.2026 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/मैसूर
PUB/1032/AAD360/PRB/SWR/2025-26

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 29/2026/एसबीसी दिनांक: 26.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण (ई-खुली निविदा)	मात्रा	यूनिट
1	एल8265088	हाईड्रोलिक री-रेलिंग इक्विपमेंट (एचआरई) की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग (सीओएफएमओडब्ल्यू संक्षिप्त सं. सीओएफएमओडब्ल्यू/आईआर/आरई/2022, रि-0 दिनांक: 01.06.2018, क्रम सं. 310)	1	सेट

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि : 27.04.2026 को 10.30 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, बेंगलुरू
PUB/1030/AAD360/PRB/SWR/2025-26

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 11/2026, दिनांक: 24.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए केवल आईआरईपीएस माध्यम से ई-निविदाएं आमंत्रित करते है:
निविदा समापन होने का समय: 10:30 बजे

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा अंतिम तिथि
1	16251459	ओवरहॉलिंग किट	60 सेट	06.04.2026
2	29261716	सेकेंडरी हेलिकल स्प्रिंग का सेट	88 सेट	08.04.2026
3	29261755	हाई टेन्साईल टाईट लोको ट्रैन्सिशन सेंटर बफर कप्लर	41 नं.	09.04.2026
4	40261019	इलेक्ट्रॉन बीम इराडियेटेड थिन वॉल्ड फ्लेक्सिबल एलास्टोमेरिक केबल	21021 मीटर	13.04.2026
5	17251130ए	एचएचपी डीज़ल लोकोमोटीव का 32 केबीआई/एनएवायबी स्टॉक्ड आईटम का पट्टी	632 सेट	14.04.2026
6	25251028	ब्रेक शू - संपूर्ण	11469 नं.	14.04.2026
7	29261611	ईपी रिले वॉल्व के लिए किट	94 सेट	14.04.2026
8	29265014	रूफ माऊंटेड एयर कंडीशनिंग सिस्टम का आपूर्ती, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग	15 एल सेट	15.04.2026
9	33261032	एलएचबी एसी कोचों के लिए सेकेंडरी वर्टिकल डैंपर	2801 नं.	16.04.2026
10	45251617ए	कम रखरखाव वाली स्टेशनरी लेड ऐसिड ट्रैक्शन बैटरी, 110 वोल्ट/40 एएच	72 सेट	16.04.2026
11	33261041	सेकेंडरी सस्पेनशन के लिए पैड	4247 नं.	29.04.2026
12	33261035	एलएचबी कोचों के लिए प्राईमरी वर्टिकल डैंपर	18211 नं.	04.05.2026

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

PUB/1024/AAF/PRB/SWR/2025-26 प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, हुबली

रेलओन ऐप डाउनलोड करें। रेलओन इंडियन रेलवे का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। पैसेंजर अपनी उंगलियों पर आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफ़ॉर्म टिकट और सीज़न पास बुक कर सकते हैं, पीएनएर स्थिती परिशीलन कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई दूसरी सेवाओं को एक्सेस कर सकते हैं। रेलओन ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने के लिए डिजिटल पेमेंट का इस्तेमाल करें और 3% तक छूट का फ़ायदा उठाएँ।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 09/एमवाईएस/2026 दिनांक: 26.03.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	मैसूर मण्डलः हासन-यादगिर खण्डः-पहुंच-I में भूस्खलन के कारण होने वाले मिट्टी के कटाव को हटाना और पटरी की बहाली (वर्ष 2026-27 में संभावित भूस्खलन के लिए) और मानसून रात्रि पेट्रोलिंग के लिए साथी की तैनाती तथा असुरक्षित स्थान पर वाचमैन की तैनाती	23106446
2	मैसूर मण्डलःयादगिर-पाडिल खण्डः-पहुंच-II में भूस्खलन के कारण होने वाले मिट्टी के कटाव हटाना और पटरी की बहाली (वर्ष 2026-27 में संभावित भूस्खलन के लिए) और मानसून रात्रि पेट्रोलिंग के लिए साथी की तैनाती तथा असुरक्षित स्थान पर वाचमैन तैनाती	26223975
3	अरसीकेरे-हरिहर खण्ड में पुल सं. 2, 18ए आरयूबी डीएन, 18ए आरयूबी अप और आरओबी बीआर सं. 14ए1, 21सी, 21बी, 21ए, 17बी, हरिहर-करजगी खण्ड में 92डीएन आरयूबी और आरओबीज बीआर सं. 51ए, 62बी, 43बी, 46ए, 63ए, 85ए, बी/डब्ल्यू मैसूरु-अरसीकेरे खण्ड में 119ए और आरओबीज बीआर सं. 274ए, 272डी, 248ए कृष्णराजनगर, 155ए, 154ए, 145बी, 134ए कृष्णराजनगर, 98बी, 89ए, बी/डब्ल्यू बिरूर-तालगुप्पा खण्ड में बीआर सं. 33 और आरओबीज बीआर सं. 58ए, 92, बी/डब्ल्यू मैसूरू में 683 डीएन, 704ए अप, 706ए डीएन लोकपावनी, 710ए डीएन, 717 डीएन, 712डीएन, 732डीएन, 732अप, 739ए (अप) और बी/डब्ल्यू मैसूरू-वाई खण्ड में आरबोबीज बीआर सं. 732बी, 732ए, 715सी, बी/डब्ल्यू मैसूरू- चामराजनगर खण्ड में आरओबी बीआर सं. 785 (41 पुल) के लिए परिसीमा और खम्भों के लिए निरीक्षण प्लेटफार्म का प्रावधान	17325746
	कुल	रू. 66656167/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि : 17.04.2026 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मण्डलीय अभियंता/समन्वय/मैसूरू
PUB/1029/AAD360/PRB/SWR/2025-26

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

कोटा में कोचिंग उद्योग के कारोबार में वृद्धि, 2026-27 सत्र में दाखिले 20-30 प्रतिशत बढ़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। देश के प्रमुख कोचिंग हब के रूप में पहचाने जाने वाले राजस्थान के कोटा में लंबे समय से जारी मंदी के बाद अब फिर से रौनक लौटती दिख रही है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कोचिंग संस्थानों में दाखिले की प्रक्रिया तेज हो गई है और शुरुआती रुझानों के अनुसार छात्र नामांकन में 20-30 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की जा रही है। कोटा को आईआईटी-जेईई और नीट की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले विभिन्न कोचिंग संस्थानों के गढ़ (हब) के रूप में जाना जाता है। पिछले कुछ वर्षों में यहां विद्यार्थियों की संख्या में भारी गिरावट आई थी। वर्ष 2023 से 2025 के बीच छात्रों की संख्या लगभग 30-40 प्रतिशत घटकर 2.5 लाख की तुलना में 85 हजार से एक लाख के बीच रह गई थी। इससे कोचिंग उद्योग का वार्षिक राजस्व भी 6,5007,000 करोड़ रुपये से घटकर करीब 3,500 करोड़ रुपये रह गया था।

हालांकि, स्थिति अब बदलती नजर आ रही है। दरअसल, 25 मार्च से शुरू हुए नए बैच में देशभर से बड़ी संख्या में छात्र और अभिभावक कोटा पहुंच रहे हैं, जो पिछले तीन वर्षों की मंदी के बाद सुधार के संकेत दे रहा है। कोचिंग संस्थानों में दाखिले की प्रक्रिया दो अप्रैल तक जारी रहेगी। 'कोटा स्टेशन एरिया ऑटो यूनियन' के अध्यक्ष फिरोज खान ने इस सुधार पर आशा जताते हुए 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि उन्हें पुराने समृद्ध दिनों की वापसी की उम्मीद है। वहीं, कोटा-बूंदी से सांसद एवं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि शहर छात्रों के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और स्थानीय लोगों से विद्यार्थियों के कल्याण में योगदान देने की अपील की।

पिछले चार दशकों में कोटा ने लाखों परिवारों का भरोसा जीता है और छात्रों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में दाखिला दिलाने में सफलता दिलाई है। इस वर्ष भी कोटा के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जेईई मेन के जनवरी सत्र में 100 पर्सेंटाइल पाने वाले 12 विद्यार्थियों में से आठ कोटा के संस्थानों से थे। शहर में छात्रों के लिए लगभग 4,000 छात्रावास और 45,000 पीजी सुविधाएं उपलब्ध हैं। करीब 35 कोचिंग संस्थान यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराते हैं।

कोटा छात्रावास एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन मित्तल ने कहा कि नए सत्र की शुरुआत में छात्रों का बड़ी संख्या में शहर में आना उम्मीद से अधिक है, जो कोटा की शिक्षा व्यवस्था पर छात्रों व अभिभावकों के भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग के बावजूद छात्रावास के संचालकों को किराया न बढ़ाने की सलाह दी गई है। देश के विभिन्न हिस्सों से आए अभिभावकों ने भी कोटा पर भरोसा जताया। इंफाल के अजय कुमार, बेगूसराय के ओम कुमार और जलगांव के भावेश ने कोटा को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आदर्श शहर बताया। वहीं, आंबेडकर नगर के डॉ. अनुराग सिंह ने कहा कि कोटा के बारे में बनी धारणाएं अक्सर वास्तविकता से अलग होती हैं और यहां का शैक्षणिक माहौल बेहतरीन है। दाखिलों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ पूरे शहर में अभिभावक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन सत्रों में भी तेजी आई है। हजारों छात्र और अभिभावक इन कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं, जहां विशेषज्ञ व्यवहार, तनाव प्रबंधन और प्रेरणा पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि कोचिंग उद्योग की यह वापसी शहर की अर्थव्यवस्था को भी नयी गति देगी।

प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, उर्वरक आपूर्ति हेतु पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, आमजन को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों के मद्देनज़र सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ शुक्रवार को वीसी के जरिए ली गई बैठक में प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने शनिवार को सचिवालय में प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, उर्वरक आपूर्ति सहित विभिन्न मुद्दों पर सभी विभागाध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक ली। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। आमजन को इनकी आपूर्ति के संबंध में चिंतित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों में आमजन को अधिकतम राहत देने के लिए सभी संबंधित विभागों को अपनी जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि देश में एलपीजी का उत्पादन बढ़ने एवं पश्चिम एशिया के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों से आपूर्ति बढ़ने से स्थिति में ओर अधिक सुधार हुआ है। घरेलू उपभोक्ताओं, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों को एलपीजी की सुचारू आपूर्ति ज़ारी रखने के साथ अब व्यवसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति भी शुरू हो चुकी है।

मुख्य सचिव ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। अतः किसानों को यूरिया, डीएपी सहित उर्वरकों की आपूर्ति में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी इस विषय पर निरंतर बैठकें लेकर स्थिति की प्रभावी मॉनिटर करें। नैनो यूरिया, बायो उर्वरकों के इस्तेमाल को भी प्रोत्साहन दें। उर्वरकों के भंडारण का प्रभावी प्रबंध किया जाए। माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में उर्वरकों की किसी भी प्रकार की कालाबाजारी एवं डाइवर्जन ना हो, इस पर विशेष स्थान दिया जाए। उन्होंने कहा कि अधिक उर्वरक उपयोग वाले जिलों में समुचित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। 'धरती माता बचाओ अभियान' का प्रभावित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए

मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों की पालना सुनिश्चित करते हुए जिन क्षेत्रों में पीएनजी पाइपलाइन उपलब्ध है वहां प्राथमिकता से आमजन एवं संस्थानों को पीएनजी कनेक्शन दिए जाएं। पाइपलाइन का जरूरी विस्तार कर अधिक से अधिक क्षेत्रों में पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि एलपीजी की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने की दिशा में पीएनजी का विस्तार अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं ऑयल गैस मार्केटिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों से इस संबंध में प्रभावी कार्रवाई करने की निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने गोबरधन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और बायोगैस प्लांट्स को प्रोत्साहन देने के दिशा निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार अधिकारी कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन कर आर्थिक रूप से कमजोर तबकों को अधिकतम राहत देना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थियों को राशन आपूर्ति में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आनी चाहिए। साथ ही अन्नपूर्णा रसोइयों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रभावी मॉनिटरिंग के माध्यम से इन योजनाओं का समुचित संचालन सुनिश्चित करने के साथ दैनिक प्राइस चार्ट जारी कर बाजारों में अन्न की कीमतों में अवैध रूप से वृद्धि करने वालों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। अवैध भंडारण, कालाबाजारी एवं डाइवर्जन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उर्वरक, गैस सिलेंडर के भंडारण गोदामों में आवश्यकतानुसार सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए ताकि वहां किसी प्रकार की चोरी ना हो। हेल्पलाइन नंबरों पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी तरीके से निवारण किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने हेतु अतिरिक्त चार्जिंग पॉइंट बनाए जाएं। परिवहन विभाग द्वारा संचालित परिवहन बसों का संचालन सुचारु रहे तथा आमजन को पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। ऑटोरिक्शा की रेट्रो फिटिंग पर विशेष ध्यान देकर इसका समुचित प्रोत्साहन किया जाए।

मुख्य सचिव में अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में भ्रामक खबरों एवं अफवाहों की त्वरित एवं प्रभावी रोकथाम की जाए। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा दैनिक रूप से भ्रामक खबरों का खंडन कर सही एवं तथ्यपरक सूचनाएं आमजन तक पहुंचाई जाए। भ्रामक खबरों के माध्यम से आमजन में किसी प्रकार का पैनिक उत्पन्न ना हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए।

मुख्य सचिव ने बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में खाड़ी देशों में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों के साथ संपर्क स्थापित कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। 24 घंटे संचालित हेल्पलाइन के माध्यम से खाड़ी देशों में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों की समस्याओं का निवारण किया जा रहा है।

मुख्य सचिव ने श्रम विभाग के अधिकारियों को प्रदेश में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों को समयबद्ध भुगतान, आवश्यकतानुसार भोजन, रहने एवं परिवहन की व्यवस्था करवाने हेतु निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्योगों को किसी भी प्रकार के लंबित भुगतान को त्वरित रूप से कराने के दिशा निर्देश दिए। बैठक में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के शासन सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त निर्देशों की शत प्रतिशत अनुपालना विभाग द्वारा सुनिश्चित की जा रही है।

विद्यार्थी ज्ञान परम्परा से जुड़कर देश को गौरवान्वित करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि विद्यार्थी प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा जुड़कर नालंदा एवं तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों की तरह भारत का विश्वभर में गौरव बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि भारत का स्वर्णिम अवसर हमारे विश्वविद्यालय हैं। नई शिक्षा नीति के आलोक में उन्हें सभी मिलकर उत्कृष्ट बनाने का प्रयास करें। राज्यपाल बागड़े शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन के साथ-साथ गरीबी को शिक्षा के माध्यम से ही दूर किया जा सकता है। उन्होंने राजस्थान के शिक्षा क्षेत्र में योगदान देने वाले महानुभावों का स्मरण करते हुए कहा कि हीरालाल शास्त्री, स्वामी केशवानंद एवं सावित्री भाटी जैसे व्यक्तियों ने राजस्थान में शिक्षा को एक विशिष्ट स्थान दिलाया।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान वीरों और वीरांगनाओं की पावन धरती है। यहीं से भारतीय सेना में सबसे अधिक जवान भर्ती होते हैं। शेखावाटी की यह धरती ऐतिहासिक रूप से देश की आर्थिक रीढ़ रही है। यहां के व्यापारियों ने देश के उद्योग-व्यापार जगत को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बजाज, बिरला, अग्रवाल, मोदी समेत अनेक प्रमुख औद्योगिक घरानों की नींव इसी भूमि से जुड़ी है।

राज्यपाल बागड़े ने कहा कि देश की आजादी से पूर्व घनश्याम दास बिड़ला ने महात्मा गांधी के साथ मिलकर देश में उद्योगों को प्रारंभिक रूप देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। राज्यपाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय को याद करते हुए कहा कि वे व्यक्ति नहीं, बल्कि अपने आप में एक संस्था और एक महान चिंतक थे। उनके द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद राष्ट्र को दी गई अनूठी विरासत है। उनका मूल विचार था कि व्यक्ति से बड़ा समाज है। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों से कहा कि यह समारोह शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि जीवन की नई शुरुआत है। विद्यार्थी अपनी शिक्षा का उपयोग आमजन और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए करें। राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में यूपीएससी और आरपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्राओं की सफलता दर लगातार बढ़ रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ शारीरिक क्षमता का भी विकास आवश्यक है। प्राचीन भारत की गुरुकुल पद्धति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि गुरुकुल में कला, इंजीनियरिंग, चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों सहित सर्वांगीण शिक्षा प्रदान की जाती थी। राज्यपाल ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सहनशीलता अत्यंत जरूरी है। व्यक्ति तभी सफलता की ऊंचाइयों को छू पाता है। उन्होंने राजस्थान को कौशल की खान बताते हुए रणकपुर जैन मंदिर का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि इस अनुपम मंदिर को बारीकियों के साथ तैयार करने में पूरे 64 वर्ष लगे।

भाजपा की खेल-विरोधी सोच की भेंट चढ़ा चौंप क्रिकेट स्टेडियम : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को आरोप लगाया कि जयपुर के पास चौंप में प्रस्तावित क्रिकेट स्टेडियम राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की खेल-विरोधी सोच की भेंट चढ़ गया है। कांग्रेस की पिछली सरकार के समय चौंप में दुनिया के तीसरे व देश के दूसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम की योजना बनाई गई थी और इसका शिलान्यास पांच फरवरी 2022 को हुआ था। गहलोत ने सोशल मीडिया पर 'इंतजारशास्त्र' की छठी कड़ी में शनिवार को कहा कि राज्य की भाजपा सरकार का रवैया न केवल स्वास्थ्य एवं विकास परियोजनाओं के प्रति उपेक्षापूर्ण है बल्कि खेल सुविधाओं के विस्तार में भी भारी अरुचि स्पष्ट दिखाई दे रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सवा दो साल में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की भी दुर्गति हो गई है और चुनाव कर नया अध्यक्ष तक नहीं बनाया जा सका है।

गहलोत ने कहा कि जयपुर में आरसीए के पास अपना अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम न होने की कमी को दूर करने के लिए कांग्रेस सरकार के समय चौंप में क्रिकेट स्टेडियम की योजना बनाई गई थी। उन्होंने दावा किया कि इस स्टेडियम का निर्माण शुरू हुए 36 महीने से अधिक बीत जाने और करोड़ों रुपए व्यय होने के बावजूद परियोजना आज भी अधर में लटकी है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, निकट भविष्य में इस परियोजना के पूरा होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे। इससे स्पष्ट है कि भाजपा सरकार विकास कार्यों को गति देने के बजाय उन्हें 'ठंडे बस्ते' में डालने का काम कर रही है। उन्होंने आगाह किया कि समय पर परियोजना पूरा न होने के कारण निर्माण लागत निरंतर बढ़ती जा रही है, जिसका अतिरिक्त आर्थिक बोझ अंततः राजस्थान की जनता और खेल प्रेमियों पर ही पड़ेगा।

गहलोत ने सवाल किया, क्या भाजपा को राजस्थान का नाम चमकना पसंद नहीं है? जो स्टेडियम प्रदेश का मान पूरी दुनिया में बढ़ाने वाला था, वह आज भाजपा की कार्यशैली के कारण विफलता का प्रतीक बनता जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से राजनीतिक द्वेष को दरकिनार कर खिलाड़ियों के सपनों को साकार करने और इस अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का काम अविलंब पूरा किये जाने की मांग की।

'नेशनल प्रिंटिंग एक्सपो 2026' का आगाज़, दिया कुमारी ने तकनीकी नवाचारों को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के जेईसीसी में आयोजित 'नेशनल प्रिंटिंग एक्सपो 2026' में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाग लेकर प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग की अत्याधुनिक तकनीकों और नवाचारों का अवलोकन किया। यह आयोजन प्रिंटर्स क्लब ऑफ़ इंडिया एवं राजस्थान ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने प्रिंटिंग उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों और उद्यमियों से संवाद कर उनके अनुभवों और सुझावों को जाना। उन्होंने कहा कि प्रिंटिंग उद्योग राज्य की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर इसे और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉल्स का दौरा किया और नवीनतम तकनीकी नवाचारों की जानकारी ली। उन्होंने स्टार्टअप्स और युवाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस एक्सपो के माध्यम से प्रदेश में तकनीकी उन्नयन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित भी होंगे। कार्यक्रम में सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा भी उपस्थित रहे।

चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा में क्रिटिकल केयर विंग डूंगरपुर जिले के लिए बड़ी सौगात, जल्द से जल्द कार्य पूरा करने का हमारा प्रयास : गजेन्द्र सिंह

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने डूंगरपुर जिला अस्पताल के निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर विंग के निरीक्षण के दौरान कहा कि चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में क्रिटिकल केयर विंग डूंगरपुर जिले के लिए बहुत बड़ी सौगात है तथा हमारा प्रयास है कि इसका कार्य जल्द से जल्द पूरा हो ताकि इसकी सेवाओं का लाभ आमजन को मिल सकें। इस दौरान उन्होंने प्रगतिरत कार्य, कार्य पूर्ण होने की समयावधि, आवश्यक चिकित्सा संसाधनों के लिए टेंडर, वर्क आर्डर एवं प्रक्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि चिकित्सा सेवाओं का बेहतर लाभ मरीजों को मिल सकें। उल्लेखनीय है कि डूंगरपुर जिला चिकित्सालय में 18700 लाख की लागत से क्रिटिकल केयर विंग का भवन का निर्माण किया जा रहा है। खींवसर ने कहा कि डूंगरपुर जिले में ओपीडी लेवल बहुत ज्यादा है तथा मरीजों को बेहतर सुविधा मिल सकें इसलिए प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को नये भवन के प्रस्ताव बनाकर भेजन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर को चिकित्सा सेवा क्षेत्र में अव्वल बनाने का हमारा प्रयास है ताकि यहां के निवासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकें।

कई इलाकों में आंधी और बारिश का अनुमान

जयपुर। राजस्थान में शनिवार से नये पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने का अनुमान है, जिससे कई इलाकों में आंधी और बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, नया पश्चिमी विक्षोभ 28 मार्च से राज्य के कुछ भागों में सक्रिय होने का अनुमान है, जिससे तेज आंधी-बारिश हो सकती है। विभाग ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के जिलों में कहीं-कहीं दोपहर बाद आंधी-बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, 29 से 31 मार्च को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में तेज आंधी और कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने बताया कि अप्रैल के पहले सप्ताह में भी पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इस बीच शनिवार सुबह तक के चौबीस घंटों के दौरान राज्य में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हुई। इस अवधि में अधिकतम तापमान कोटा में 38.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सिरोही में 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

किफायती दरों पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास प्रदान करने के लिए मण्डल निरंतर प्रयासरत : रश्मि शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल की समृद्धि अपार्टमेंट योजना को ड्डजउक गोल्ड अवार्ड मिला है।मण्डल की ओर से आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने यह अवार्ड शनिवार को दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित समारोह में ग्रहण किया। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा की मण्डल को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त होने से आमजन में मण्डल की प्रतिष्ठा फिर से कायम हुई है। उन्होंने स्कॉच गोल्ड अवार्ड मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मण्डल की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होनें बताया कि समृद्धि आवासीय योजना में दो प्रकार के फ्लैट बनाये गए थे जिसमें 960 वर्ग फ़ीट वाले फ्लैट की कीमत 33 लाख अनुमानित थी वहीं 1100 वर्गफीट की कीमत 36 लाख अनुमानित थी , लेकिन मण्डल ने उसी उच्च गुणवत्ता के साथ प्रत्येक फ्लैट 960 वर्ग फ़ीट वाला 31 लाख में एवं 1100 वर्गफीट वाला 35 लाख में दिया है। उन्होंने बताया की हाल ही में राज्य सरकार द्वारा आयोजित शहरी सेवा शिविर में नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने समृद्धि अपार्टमेंट के 159 आवंटियों को आवंटन पत्र सौंपे थे ।

डॉ शर्मा ने कहा की राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने अपनी योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को प्राथमिकता दी है। उन्होंने बताया कि समृद्धि अपार्टमेंट परियोजना आम नागरिकों को किफायती दरों पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास प्रदान करने का सफल उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बोर्ड अब पारंपरिक निर्माण से आगे बढ़कर तकनीकी नवाचार और नागरिक सुविधा केंद्रित परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। उल्लेखनीय है की इससे पूर्व विगत दो वर्षों में मण्डल को फाउन्टेन स्क्वायर पार्क एवं एक्सपॉजिशन ग्राउन्ड के लिए आईबीसी अवार्ड , मण्डल मुख्यालय को ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बीईई की 5 स्टार रेटिंग का अवार्ड, मण्डल की माही योजना को नारोडको द्वारा अवार्ड तथा एसएस रेजीडेंसी को इंडियन कंक्रीट इंस्टीट्यू द्वारा अवार्ड मिल चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/नोएडा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन किया।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक और केन्द्रीय नागरिक विमानन मंत्री के राम मोहन नायडू समेत कई प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी लगभग 11,200 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण समेत कार्गो हब का उद्घाटन किया। इस मौके पर योगी ने फिरोजाबाद में बनी कांच की गौतम बुद्ध की प्रतिमा प्रधानमंत्री को स्मृतिचिन्ह के रूप में भेंट की।

समारोह को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने भी संबोधित किया।

इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सुबह 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा आज एक और स्वर्णिम शिखर को स्पर्श करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कर-कमलों से आज नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, जेवर के प्रथम चरण का भव्य उद्घाटन होने जा रहा है।

योगी ने कहा, जेवर का यह हवाई अड्डा उत्तर प्रदेश के विकास का 'रनवे' है। यहां से युवाओं के सपने उड़ान भरेंगे, संभावनाएं साकार होंगी और भविष्य नई ऊंचाइयों को स्पर्श करेगा। इस युगांतरकारी परियोजना को धरातल प्रदान करने वाले हमारे किसान भाइयों को विशेष बधाई, आपके समर्पण से ही यह विकास संभव हुआ है। 25 करोड़ प्रदेश वासियों की ओर से प्रधानमंत्री जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।

जेवर के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) दुर्गेश सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में 1.5 लाख से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है, जिसके लिए पार्किंग की सुविधा समेत तमाम तरह के पुख्ता इंतजाम किए गए। एसडीएम ने बताया कि हापुड़, बुलंदशहर और गाज़ियाबाद जैसे आस-पास के ज़िलों से आने वाले लोगों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए 'कलर कोडिंग' (रंगों के आधार पर पहचान) की व्यवस्था लागू की गई है। इस हवाई अड्डो को लेकर आसपास के इलाकों में रहने वाले हर वर्ग के लोगों में खुशी की लहर है और लोगों में इससे रोजगार और सुविधाओं की उम्मीद जगी है।

फरीदाबाद की एक निजी कंपनी में काम करने वाले 36 वर्षीय कर्मचारी संजीव यादव ने कहा कि इस हवाई अड्डे से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। टैक्सी चालक सतीश ने कहा कि इस नए हवाई अड्डे से उन्हें ज्यादा सवारियां मिलेंगी। उन्होंने कहा, जब हम दिल्ली हवाई अड्डे जाते हैं, तो यातायात जाम की वजह से बहुत अधिक समय लगता है, लेकिन यहां पहुंचने में सिर्फ 30-40 मिनट लगेंगे।

स्थानीय निवासी नंदिता गुर्जर (45) ने कहा कि इस परियोजना से इस इलाके को, खासकर महिलाओं को बहुत फायदा होगा। उन्होंने कहा, अब महिलाओं को नौकरी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। एक निजी कॉलेज की छात्रा श्रेष्ठा ने कहा कि इससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां आकर्षित होंगी और स्थानीय आधारभूत सुविधाएं और रोजगार के मौके बेहतर होंगे। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को सड़क, रेल, मेट्रो और क्षेत्रीय परिवहन प्रणालियों के निर्बाध जुड़ाव के साथ बहु-मॉडल परिवहन केंद्र के रूप में विकसित किया गया है।

बयान के अनुसार हवाई अड्डे में एक बहु-मॉडल कार्गो हब भी शामिल है, जिसे प्रतिवर्ष 2.5 लाख मीट्रिक टन से अधिक माल ढुलाई के लिए तैयार किया गया है। बयान के अनुसार इस क्षमता को लगभग 18 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाया जा सकता है। बयान के अनुसार हवाई अड्डे की प्रारंभिक यात्री संचालन क्षमता 1.2 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष होगी, जिसे सात करोड़ तक बढ़ाया जा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने टर्मिनल का निरीक्षण भी किया।

बयान में बताया गया कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन भारत के वैश्विक विमानन केंद्र बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार के रूप में परिकल्पित यह हवाई अड्डा, देश के हवाई अड्डा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संपर्क को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बयान के मुताबिक, नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया गया है, जो इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पूरक है।

ये दोनों हवाई अड्डे एकीकृत विमानन प्रणाली के रूप में सेवाएं देंगे, जिससे यात्रियों की बड़ी संख्या को नियंत्रित किया जा सकेगा, यात्री क्षमता में वृद्धि होगी और दिल्ली एनसीआर को वैश्विक विमानन केंद्रों में अग्रणी स्थान प्राप्त होगा।

विकास की ऊंचाइयों के साथ जनता को राहत, प्रधानमंत्री जी की कार्य योजना का हिस्सा : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि विकास की ऊंचाइयों के साथ जनता को राहत प्रधानमंत्री जी की कार्य योजना का हिस्सा है।

योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में अपने संबोधन में कहा, विकास की ऊंचाइयों के साथ जनता को राहत प्रधानमंत्री जी की कार्य योजना का हिस्सा है। यह आज हर क्षेत्र में देखने को मिल रहा है और नोएडा हवाई अड्डा इसी श्रृंखला का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, सबसे पहले मोदी जी का इस भव्य और गरिमामय समारोह में प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से उड़ान योजना के तहत राज्य को एक नई ऊंचाई प्रदान करने के लिए अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा, यह कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। कल (शुक्रवार को) ही रामनवमी के पावन अवसर पर पूरे देश के अंदर उत्साह का माहौल था।

योगी ने कहा, पूरी दुनिया में अव्यवस्था, अराजकता का माहौल, संशय की स्थिति है और पूरी दुनिया में पेट्रोलियम उत्पादों के दाम आसमान छू रहे हैं। लेकिन अपनी दूरदर्शी सोच, देश प्रथम के भाव से 11 वर्षों से जो कार्य योजना मोदी जी के नेतृत्व में भारत के लिए बनी है, वह अब देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा, अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी उत्पादों के दाम आसमान छू रहे हैं। पड़ोसी देशों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आसमान छू रहे, अव्यवस्था फैल रही है और लोगों में कोटा सिस्टम लागू करना पड़ा लेकिन भारत में पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क कम करने का आपने (मोदी) जो ऐतिहासिक निर्णय लिया है, उसके लिए आभार और कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। योगी ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) जैसे दलों के नकारेपन के कारण प्रदेश का विकास 2017 तक रुका रहा। इसी वजह से उत्तर प्रदेश ने जलालत झेली और अव्यवस्था का शिकार बना लेकिन मोदी जी के मार्गदर्शन में देश व सूबे में 'डबल इंजन' की सरकार ने जो गति पकड़ी वह रुकावट की बाधार को तोड़ने में कामयाब रही।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने 25 नवंबर 2021 को इस हवाई अड्डे का शिलान्यास किया और आपके कर कमलों से आज (शनिवार को) इसके प्रथम चरण का उद्घाटन हो रहा है। आपने हमेशा कहा कि जिसका शिलान्यास करो, उसका उद्घाटन भी करो और आज यह हो रहा है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी पहचान की नई उद्घोष कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में सात में से छह नए हवाई अड्डे हुए बंद : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में हाल के वर्षों में जिन सात हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया, उनमें से छह आज तक चालू नहीं हुए हैं।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, देखो भाजपा का भ्रष्ट प्रबंध सात में से छह नए हवाई अड्डे बंद! उत्तर प्रदेश के बाकी हवाई अड्डों का क्या हाल है 'घास हटवाकर' ये भी तो देख लिया जाए। उन्होंने चित्रकूट, कुशीनगर व आजमगढ़ के हवाई अड्डों का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया गया कि हाल ही में खोले गए कई हवाई अड्डों पर निर्धारित उड़ान परिचालन बंद कर दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाएं मुख्य रूप से चुनिंदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए शुरू की जा रही हैं। यादव ने कहा, भाजपा में अरबों का निर्माण सिर्फ अपनों को ठेके बांटकर, कमाई को बांटने के लिए होता है। इन्हें न तो कोई हवाई अड्डा चलाना है, न उड़ान योजना में कोई हवाई जहाज उड़ाना है, इन्हें तो बस कमाना है।

ओडिशा के नयागढ़ में पर्यटक बस पलटने से पांच लोगों की मौत, 30 लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के नयागढ़ जिले में शुक्रवार देर रात एक पर्यटक बस के पलटने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। यह दुर्घटना कल देर रात करीब दो बजे हुई, जब 55 यात्रियों को ले जा रही बस दासपल्ला के हनुमान घाटी रोड पर पलट गई। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना का कारण वाहन की गति तेज होने का संदेह है। पुलिस ने बताया, बस हनुमान घाटी रोड पर मोड़ लेते समय पलट गई।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान हरि पात्रा, उनकी पत्नी लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू, उनकी बेटी सुमति और चालक प्रबीन कुमार साहू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सभी ब्रह्मपुर के निवासी थे। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मृतकों के परिजनों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से 4 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा भी की है। उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिडा ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कहा, नयागढ़ जिले के दासपल्ला के पास एक पर्यटक बस दुर्घटना में कई यात्रियों की जान जाने की खबर सुनकर मैं दुखी और व्याकुल हूं। मैं भगवान जगन्नाथ से दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

एसआईआर के दौरान कड़ी निगरानी रखेंगे, मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित नहीं होने देंगे : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में मतदाता सूचियों के एसआईआर के दौरान वह बूथ स्तर पर कड़ी निगरानी रखेगी, ताकि किसी भी पात्र मतदाता को उसके मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सके।

बादली गांव में आयोजित बैठक में, बादली विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर-50 के 'बूथ लेवल एजेंट' (बीएलए-2) के रूप में कार्यरत दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने अगले महीने से शुरू होने वाले एसआईआर कवायद से पहले बूथ स्तरीय एजेंटों के साथ बातचीत की। यादव ने कहा कि पार्टी ने अपने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि वे एसआईआर के दौरान कड़ी निगरानी रखें, ताकि प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से संचालित हो। उन्होंने कहा, हम किसी भी मतदाता को उसके वोट से वंचित नहीं होने देंगे और अपने-अपने बूथ पर कड़ी निगरानी रखेंगे। बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा की गई प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए यादव ने दावा किया कि कई मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाने के लिए गलत तरीके से चिह्नित किया गया।

बिरसा मुंडा का जीवन और उनका बलिदान आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/खूंटी/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने झारखंड के खूंटी जिले की यात्रा के दौरान आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद शनिवार को कहा कि उनका जीवन और बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहा है।

राधाकृष्णन ने उलिहातु में इस दौरान बिरसा मुंडा के वंशजों से भी बातचीत की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, भारत के उपराष्ट्रपति का पद संभालने के बाद भगवान बिरसा मुंडा की पवित्र जन्मभूमि उलिहातु की एक बार फिर यात्रा करने से मैं अत्यंत भावुक हूं। उन्होंने कहा, मैं उस महान स्वतंत्रता सेनानी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जिनका जीवन और बलिदान आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करता है। राधाकृष्णन ने कहा, मुझे वह दिन आज भी याद है, जब मैंने झारखंड के राज्यपाल के रूप में शपथ ली थी। उसी दिन मैं उलिहातु गया था और वह अनुभव आज भी मेरे लिए बेहद मायने रखता है। राधाकृष्णन 2023 से 2024 के बीच झारखंड के राज्यपाल रहे थे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का जो दूरदर्शी फैसला किया, उससे हमारी जनजातीय विरासत के प्रति राष्ट्रीय जागरूकता और गौरव बढ़ा है।

घबराहट में खरीदारी न करें : माझी

भुवनेश्वर/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य के लोगों से शनिवार को अपील की कि वे घबराहट में खरीदारी न करें ताकि आपूर्ति श्रृंखला सुचारू रूप से बनी रहे। माझी ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10-10 रुपए प्रति लीटर की कटौती के केंद्र सरकार के फैसले की सराहना करते हुए इसे ''समय पर उठाया गया ऐसा दूरदर्शी कदम बताया जो नागरिकों को प्राथमिकता देता है और 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत को मजबूत करता है। इस कटौती से अनुमानित 1.75 लाख करोड़ रुपए के राजस्व का असर पड़ेगा और इसका उद्देश्य पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण बढ़ी वैश्विक तेल कीमतों से घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देना है। माझी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों के साथ ऑनलाइन माध्यम से हुई बैठक में शामिल होने के बाद कहा कि ओडिशा सरकार इस संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप काम कर रही है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर नागरिक तक सही जानकारी पहुंचे, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता निर्बाध बनी रहे।

मोदी सरकार के लिए राष्ट्र पहले नहीं आता : राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शनिवार को दावा किया कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध से भारत सबसे अधिक प्रभावित होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना की कमी है और इस स्थिति में भी उसका सारा ध्यान चुनाव जीतने पर केंद्रित है। सिब्बल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संकट आने पर 'टीम इंडिया' की याद आती है, लेकिन वे संसद सत्र या अन्य समय में इसके बारे में नहीं सोचते। वरिष्ठ अधिवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, आज सुबह मैंने खुद से सवाल पूछा कि अमेरिका-इजराइल और ईरान संघर्ष के कारण किसे सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है या होने की आशंका है। मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि यह भारत है।

बंगाल को तबाह करने की कोशिश से भाजपा देश में सत्ता गंवा देगी : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल को तबाह करने की कोशिश में भाजपा देश में अपनी सत्ता गंवा देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाताओं के नाम हटाने के लिए निर्वाचन आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है।

बनर्जी ने रानीगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए घोषणा की कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव लगातार चौथी बार जीतने के बाद, वह दिल्ली ''विजय'' के लिए सभी राजनीतिक दलों को एकजुट करेंगी। उन्होंने कहा, अगर राज्य में भाजपा सत्ता में आती है, तो वे बुलडोज़र चलाकर सबको बाहर निकाल देंगे। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बर्धमान जिले के खनन शहर में आयोजित रैली में कहा, बंगाल को तबाह करने की कोशिश करके, भाजपा पूरे देश में अपनी सत्ता खो देगी। उन्होंने एसआईआर के दौरान मतदाताओं के नाम हटाने के लिए निर्वाचन आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाते हुए कहा, एक 'लक्ष्मण रेखा' जरूर होनी चाहिए, लेकिन भाजपा सभी सीमाएँ लांघ रही है। मुख्यमंत्री ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा, एसआईआर आपकी मौत की घंटी साबित होगा।

मेरा एकमात्र लक्ष्य अपनी टीम के लिए मैच जीतना है : रघुवंशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी का कहना है कि वह अपनी टीम के प्रदर्शन के आधार पर अपने खेल का आकलन करते हैं और इसके साथ ही वह शीर्ष क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में अपने कौशल को बढ़ाने पर लगातार काम कर रहे हैं।

जिस टीम में न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट और भारत के अनकैप्ड (जिन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो) खिलाड़ी तेजस्वी दहिया विशेषज्ञ विकेटकीपर के रूप में मौजूद हैं, उसमें रघुवंशी का विकेट के पीछे का कौशल केकेआर के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है क्योंकि उनकी टीम के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में सही संयोजन तैयार करना एक चुनौती होगी। रघुवंशी ने पीटीआई से कहा, घरेलू क्रिकेट की मेरी टी20 टीम मुंबई को विकेटकीपिंग के लिए मेरी जरूरत थी, इसलिए मैंने इसे स्वीकार किया। यह एक नई चुनौती थी जिसने मुझे बहुत मजा आया। मैंने बहुत अभ्यास किया है और अब देखते हैं कि परिणाम कैसा निकलता है।

भारतीय टीम में सभी प्रारूपों में जगह पाने की होड़ तेज हो रही है तथा यशस्वी जायसवाल और तिलक वर्मा जैसे विशेषज्ञ बल्लेबाज भी लगातार अपनी गेंदबाजी कौशल को निखारने में जुटे हैं, ऐसे में रघुवंशी को भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मैं बस अपने खेल को जितना हो सके बेहतर बनाने पर ध्यान देता हूं। क्रिकेट काफी गतिशील खेल है और इसलिए मैं अपनी बल्लेबाजी के साथ-साथ अपने फील्डिंग कौशल और विकेटकीपिंग कौशल पर भी लगातार काम कर रहा हूं। मैं जितना हो सके उतना बेहतर बनने की कोशिश कर रहा हूं। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी को मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी दोनों टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।

रघुवंशी ने कहा, मैंने अपनी तरफ से पूरी तैयारी की, लेकिन मैं अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन केवल इस आधार पर करता हूं कि टीम जीती है या नहीं। उम्मीद है कि आईपीएल में मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा और अपनी टीम को जीत दिलाने में योगदान दूंगा। अपने गुरु और कोच अभिषेक नायर के केकेआर के मुख्य कोच के रूप में पदभार संभालने के बाद रघुवंशी को विश्वास है कि उन्हें इस पूर्व भारतीय खिलाड़ी से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, यह मेरे साथ-साथ पूरी टीम के लिए कुछ नया सीखने का बहुत अच्छा मौका होगा। वह क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ रखते हैं और बहुत अच्छे इंसान हैं।

अमित शाह ने तृणमूल सरकार के खिलाफ 'आरोपपत्र' जारी किया, कहा : बंगाल चुनाव देश की सुरक्षा के लिए अहम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

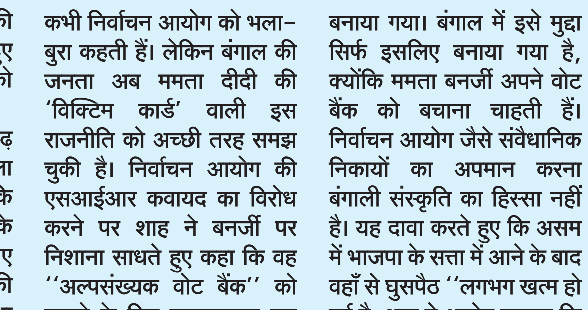

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक ''आरोपपत्र'' जारी किया तथा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को देश की सुरक्षा के लिए अहम बताते हुए भाजपा के प्रचार अभियान को और तेज कर दिया।

शाह ने राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि इसके 15 साल के शासन के दौरान बंगाल देश के लिए ''घुसपैठ, तुष्टीकरण की राजनीति और सीमा पर असुरक्षा का प्रमुख गलियारा'' बन गया है। उन्होंने कहा, ममता दीदी ने हमेशा 'विक्टिम कार्ड' की राजनीति खेली है। कभी वह अपनी चोट की बात करती हैं, तो कभी निर्वाचन आयोग को भला-बुरा कहती हैं। लेकिन बंगाल की जनता अब ममता दीदी की 'विक्टिम कार्ड' वाली इस राजनीति को अच्छी तरह समझ चुकी है। निर्वाचन आयोग की एसआईआर कवायद का विरोध करने पर शाह ने बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह ''अल्पसंख्यक वोट बैंक'' को बचाने के लिए जानबूझकर इस तरह की चीजें कर रही हैं। शाह ने कहा, मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अन्य राज्यों में भी हुआ है, लेकिन कहीं भी इसे इतना बड़ा मुद्दा नहीं बनाया गया। बंगाल में इसे मुद्दा सिर्फ इसलिए बनाया गया है, क्योंकि ममता बनर्जी अपने वोट बैंक को बचाना चाहती हैं। निर्वाचन आयोग जैसे संवैधानिक निकायों का अपमान करना बंगाली संस्कृति का हिस्सा नहीं है। यह दावा करते हुए कि असम में भाजपा के सत्ता में आने के बाद वहाँ से घुसपैठ ''लगभग खत्म हो गई है, शाह ने आरोप लगाया कि अब पश्चिम बंगाल ''आखिरी बचा हुआ रास्ता'' बनकर उभरा है, जिसके ज़रिए घुसपैठिए भारत में प्रवेश करते हैं और अलग-अलग राज्यों में फैल जाते हैं।

सुविचार

शिवाजी महाराज की तरह साहसी बनें; अन्याय के विरुद्ध खड़ा होना ही सबसे बड़ा धर्म है।

ट्वीट

जयपुर स्थित जेईसीसी में प्रिंटर्स क्लब ऑफ़ इंडिया एवं राजस्थान ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'नेशनल प्रिंटिंग एक्सपो 2026' में सम्मिलित होकर अत्याधुनिक तकनीकों, नवाचारों एवं प्रिंटिंग उद्योग के नए आयामों को जानने का अवसर प्राप्त हुआ।

-दिया कुमारी

तमिलनाडु प्रवास के दौरान भाजपा तिरुप्पुर साउथ विधानसभा के शक्ति केंद्र प्रभारियों एवं पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की एवं एनडीए के समर्थन को और मजबूत बनाने हेतु चुनावी रणनीति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

-अर्जुनराम मेघवाल

कहानी

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल: 9989703240

अटूट बंधन

अस्पताल का वह कमरा उस दिन एक अलग ही शांति में डूब गया था। वहाँ मौत का शोक नहीं, बल्कि एक अमर प्रेम की विजय थी। डॉक्टर और नर्सें, जो रोज मौत देखते हैं, वे भी आँखें पोंछने लगे। एक बूढ़े आदमी का उसकी पत्नी के प्रति यह अंतिम समर्पण सबके दिलों को छू गया था।

सुबह के साढ़े चार बजे थे। रात का अंधियारा अभी पूरी तरह से हटा नहीं था और आसमान में तारे भी अपनी चमक खो चुके थे, मानो वे भी थककर सो गए हों। झेजियांग प्रांत के झोउशान गाँव की सुबहें आमतौर पर बहुत शांत होती हैं। समुद्र की ठंडी हवा गाँव के खाली रास्तों पर बेमतलब घूमती रहती है, लेकिन आज उस हवा में भी एक बेचैनी थी। गाँव की नींद तब भी गहरी थी, लेकिन 82 वर्षीय चेन अचोंग के घर में नींद का नामो-निशान नहीं था।

चेन की आँखें अपने आप खुल गई थीं, मानो उनके अंदर कोई अलार्म बज रहा हो। वे धीरे-धीरे अपने बिस्तर से उठे और अपनी पत्नी जू की ओर देखा। वह वहाँ नहीं थी। बेशक, वह अब घर पर नहीं थी, वह करीब 100 किलोमीटर दूर निंगबो के अस्पताल में आईसीयू की उस ठंडी चारदीवारी में जीवन और मृत्यु के बीच झूल रही थी। चेन ने अपना एप्रन उठाया और भारी कदमों से रसोई की ओर चल पड़े। शरीर में थकान का बोझ ज़रूर था, पर चेहरे पर एक ऐसी अनकही दृढ़ता थी जिसे समय की मार भी धुंधला नहीं कर पाई थी।

रसोई छोटी थी और सालों के धुएं से दीवारें काली पड़ गई थीं, लेकिन आज उसमें जो महक फैल रही थी, वह दशकों पुराने प्यार की थी। चेन ने चूल्हा सुलगाया। लकड़ी की चटखने की आवाज और आग की सुनहरी लपटें उन्हें स्मृतियों के गलियारे में ले गईं। वे अपनी पत्नी जू के लिए भोजन बना रहे थे। जू के लिए बनाया गया वह भोजन दरअसल एक संदेश था कि वह अकेली नहीं है, और चेन का साथ आज भी उतना ही अटूट है।

रसोई तंग थी और उसकी दीवारें दशकों के धुएं की स्याही से काली पड़ चुकी थीं, लेकिन आज वहाँ जो महक तैर रही थी, वह रसोइयों की नहीं बल्कि बरसों पुराने अटूट प्रेम की थी। चेन ने जैसे ही चूल्हा सुलगाया, लकड़ियों की चटकन और आग की सुनहरी लपटें उन्हें स्मृतियों के गलियारे में ले गईं। वे अपनी पत्नी जू के लिए भोजन बना रहे थे। जू के लिए बनाया गया वह भोजन एक संदेश था कि वह अकेली नहीं है।

उनके हाथों में झुर्रियाँ साफ दिखाई दे रही थीं, नसें फूली हुई थीं, लेकिन उन हाथों में एक अजीब सी फुर्ती थी। शायद यह फुर्ती प्यार की वो शक्ति थी जो उम्र के थकावट को भी हरा कर देती है। उन्होंने मछली को धीरे-धीरे साफ किया। जू को मछली बहुत पसंद थी। चेन को याद था कि कैसे जू हमेशा मछली का सबसे अच्छा हिस्सा उनकी थाली में रखती थी और खुद बचे-खुचे हिस्सों से संतोष करती थी। आज चेन उसी मछली को उस तरह पका रहे थे जैसे उन्हें पसंद था। कम मिर्च, ज्यादा रसा, और बस उंगलियों से मसले हुए स्वाद के साथ।भोजन तैयार होने में एक घंटा लग गया। तब तक आसमान का रंग गहरे नीले से नीले में बदलने लगा था। चेन ने भोजन को ध्यान से एक स्टील के डब्बे में भरा और फिर उसे एक कपड़े में कई बार लपेटा ताकि ठंडा न हो। उन्होंने एक झोला उठाया जिसमें कुछ फल और जू के लिए घर का बना खाना था। वे घर से बाहर निकले।

सामने सड़क खाली थी। चेन के सामने कोई साधारण रास्ता नहीं था; यह एक ऐसा अभियान था जो एक 82 वर्षीय व्यक्ति के लिए लगभग असंभव था। 12 घंटे का सफर जिसमें छह घंटे जाने में और छह घंटे वापस आने में लगते थे। दो अलग-अलग बसों को पकड़ना, भीड़ में खुद को समेटना और बूढ़े पैरों से उस थकान को झेलना। और यह सब किसलिए? केवल उन 30 मिनटों के लिए जो उन्हें अस्पताल में मिलते थे।

पहली बस मिलने में उन्हें आधे घंटे का इंतजार करना पड़ा। सुबह की ठंडी हवा उनके सूती कपड़ों को भेदकर हड्डियों तक पहुँच रही थी, लेकिन चेन को ठंड का अहसास भी नहीं था। उनका मन अस्पताल में पहुँचने की उड़ान भर रहा था। जब बस आई, तो वे धीरे-धीरे कदमों से सवार हुए। कंडक्टर ने उन्हें देखा और पहचान लिया। यह रोज का नजारा था।

चेन अंकल, अस्पताल जा रहे हो? कंडक्टर ने प्यार से पूछा। हाँ बेटा, जू को खाना देना है, चेन ने मुस्कुराकर जवाब दिया। बस की सीटें कठोर थीं और सड़कें उतार-चढ़ाव भरी थीं। हर झटके के साथ चेन के जोड़ों में दर्द उठता, लेकिन उनकी नज़र खिड़की के बाहर थी। पेड़, पहाड़ और छोटे-छोटे घर पीछे छूट रहे थे। वे अपने जीवन की फिल्म देख रहे थे। उन्हें याद आया वो दिन जब उन्होंने जू से शादी की थी। उन दिनों उनके पास बहुत कुछ नहीं था। न कोई बड़ा घर, न बहुत सारा पैसा। लेकिन उनके पास जू का साथ था। जू एक आम गृहिणी नहीं थी; वह चेन के जीवन की धुरी थी। जब चेन खेतों में काम करके थककर लौटते, तो जू का हाथ उनके माथे से पसीना पोंछता था। वह घर को इतना सुंदर बनाती कि मिट्टी के फर्श भी किसी कालीन जैसे लगते। वह जानती थी कि चेन को क्या पसंद है, क्या परेशानी है। वे पचास साल से साथ थे। इतने सालों में दो लोग एक दूसरे के अंग बन जाते हैं। उनकी खुशियाँ और गम एक दूसरे से जुड़े होते हैं। अब जब जू बीमार थी, तो मानो चेन का आधा शरीर ही कट गया हो। दूसरी बस पकड़ने के बाद सफ़र और कठिन हो गया। भीड़ बढ़ गई थी। चेन को सीट नहीं मिली। वे खड़े रहकर सफ़र तय कर रहे थे। उनके पैर काँपने लगे थे, लेकिन उन्होंने अपने हाथ में थमा झोला नहीं छोड़ा। वह झोला उनके लिए कोई सामान नहीं, बल्कि जू की जिंदगी की आशा था।करीब छह घंटे बाद, दोपहर बारह बजे के करीब, चेन निंगबो अस्पताल के गेट पर थे। वे थके हुए थे, उनके कपड़े धूल से लथपथ थे और चेहरे पर थकान साफ झलक रही थी, लेकिन उनकी आँखों में एक चमक थी। वे अस्पताल के गलियारे से गुज़रे। अस्पताल की वह महक, दवाइयों की गंध और मरीजों के रोने की आवाजें यह सब चेन के लिए अजीब था, लेकिन वे डरे नहीं। उनका डर तब खत्म होता है जब वे जू को देखते हैं।

आईसीयू के बाहर उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ा। वह नर्स का इंतजार कर रहे थे जिससे उन्हें अंदर जाने की इजाजत लेनी थी। उन तीस मिनटों के लिए वे पूरा दिन और अपनी पूरी जिंदगी दांव पर लगा दिए थे। जब नर्स ने दरवाजा खोला और साइन करने को कहा, तो चेन का दिल जोर से धड़कने लगा।

आईसीयू का कमरा ठंडा था। मशीनों की बीप-बीप की आवाजें चारों ओर गूँज रही थीं। बीच में एक बिस्तर पर जू पड़ी थी। उसके चेहरे पर ऑक्सीजन मास्क था और उसके शरीर से कई तरह की नलियाँ जुड़ी थीं। वह पहले जैसी नहीं थी। वह अब वह जू नहीं थी जो घर को सजाती थी, जो जोर से हँसती थी। लेकिन चेन के लिए वह वही थी।

चेन धीरे-धीरे उसके पास गए। उन्होंने अपना झोला एक कुर्सी पर रखा और जू का हाथ थाम लिया। वह हाथ ठंडा और पतला था। चेन ने उसे अपने दोनों हाथों में लेकर गर्म करने की कोशिश की। जू, चेन ने धीमे से कहा, मैं आ गया। तुम्हारा खाना ले आया हूँ। तुम्हारी पसंद की मछली बनाई है। जू बोल नहीं सकती थी। वह एक वेंटिलेटर पर थी। लेकिन जब उसने चेन को देखा, तो उसकी आँखों में एक चमक आई। उसकी आँखें नम थीं। वह बोल नहीं पा रही थी, लेकिन उसकी नजरें सब कुछ कह रही थीं। वह कह रही थीं, तुम थक गए होगे। तुम क्यों आते हो रोज?

चेन ने उसके बालों को हाथ से सहलाया। उन्हें लगा मानो समय ठहर गया हो। इन तीस मिनटों में वे दोनों अपनी दुनिया में होते थे। चेन ने कहा, जू, मुझे याद है जब हमारे बच्चे छोटे थे। हमारे पास पैसे कम थे, लेकिन तुमने कभी शिकायत नहीं की। तुमने मुझे हमेशा सहारा दिया। अब जब तुम थोड़े बीमार हो, तो मैं कैसे न आऊँ?

उन्होंने उसे खाना खिलाने की कोशिश की, लेकिन जू बहुत कम खा सकती थी। बस कुछ चम्मच ही। चेन ने धीरे-धीरे उसे खिलाया, जैसे कोई माँ अपने बच्चे को खिलाती है। हर चम्मच के साथ उनकी उम्मीद जागती और डर भी बढ़ता। वे जानते थे कि जू का समय कम है, लेकिन वे उसे मानने को तैयार नहीं थे।

जल्दी ठीक हो जाओ, जू, चेन ने कहा, घर में तुम्हारे बिना सन्नाटा है। बगीचे में जो फूल लगाए थे, वे मुरझा रहे हैं। तुम्हें वापस आना होगा।

तीस मिनट बाद नर्स ने संकेत दिया कि समय हो गया है। चेन का दिल भारी हो गया। हर दिन यह विदा उनके लिए किसी सजा से कम नहीं थी। उन्होंने जू का हाथ छोड़ा और उसे विदा करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मैं कल आऊँगा, जू, चेन ने कहा, मत डरना। यह सिलसिला 105 दिनों तक चला। 105 दिन आम आदमी के लिए यह अंक है, लेकिन चेन के लिए यह एक तपस्या थी। इन 105 दिनों में उन्होंने अपनी सारी जमा पूंजी खत्म कर दी। इलाज का खर्च आसमान छू रहा था। उन्होंने अपना घर बेच दिया, लेकिन चेन का हौसला नहीं डगमगाया। लोगों ने कहा, अंकल, अब छोड़ दो। उम्र ढल चुकी है। लेकिन चेन ने कहा, जब तक साँस है, मैं उसे अकेला नहीं छोड़ सकता।

इस अथक प्रयास ने समाज को भी रुला दिया। जब बसों के कंडक्टरों और ड्राइवरों को पता चला कि यह बूढ़ा आदमी रोज अपनी बीमार पत्नी से मिलने जा रहा है, तो उन्होंने उनसे किराया लेना बंद कर दिया। अंकल, तुम्हारा किराया माफ, वे कहते। अनजान लोगों ने अस्पताल के बाहर उन्हें देखकर पानी पिलाया और कुछ लोगों ने मदद के लिए पैसे भी दिए। यह प्यार का ही असर था।

13 मार्च का वह दिन भी आ गया। चेन आम दिन की तरह ही अस्पताल पहुँचे। उन्होंने जू को खाना खिलाया। उस दिन जू ने आँखों से कुछ इशारे किए। उसने धीमे से सिर हिलाया। उसकी नजरें चेन पर टिकी थीं। मानो वह कह रही हो, चेन, मैं थक गई हूँ। तुमने बहुत किया मेरे लिए। अब मुझे तसल्ली है। उसकी नजरों में एक गहरी संतुष्टि और विदा का भाव था।

चेन ने उसकी उंगलियों को छुआ और बोले, तुम ठीक हो जाओगी, जू। मैं कल आऊँगा। यह कहकर वे बाहर निकले। वे नहीं जानते थे कि यह उनकी आखिरी बातचीत थी।

जैसे ही चेन अस्पताल के मुख्य द्वार से बाहर निकले और वापस जाने के लिए बस की तरफ बढ़े, उनके मोबाइल की घंटी बज उठी। स्क्रीन पर 'अस्पताल' लिखा हुआ था। चेन का दिल धड़कने लगा। उन्होंने फोन उठाया।

हेलो? मिस्टर चेन? आप तुरंत अस्पताल वापस आइए। मिसेज जू की हालत गंभीर है।

चेन के हाथ से फोन छूट गया। उनके पैरों के नीचे की जमीन खिसक गई। उन्होंने दौड़कर अंदर जाना शुरू किया, लेकिन थके हुए पैर साथ नहीं दे रहे थे। वे गिरे, फिर उठे। उनकी साँसे फूल रही थीं। जब वे आईसीयू पहुँचे, तो डॉक्टरों और नर्सों का एक समूह जू के बिस्तरे के आसपास था। मशीनों की आवाज बंद हो चुकी थी। सीधी रेखा चल रही थी। चेन ने चीख नहीं मारी, न ही जोर से रोया। वे बस उस बिस्तरे के पास गए जहाँ उनकी जू शांत पड़ी थी। अब वह मशीनों से मुक्त थी। उसका चेहरा शांत था, मानो वह सो रही हो। चेन ने कांपते हाथों में उसका हाथ थामा। वह हाथ अब और ठंडा हो चुका था। उन्होंने अपने आँसू रोके और धीरे-धीरे अपने होठों से उसके माथे को छुआ। उन्होंने उसके कान में आखिरी बार कुछ फुसफुसाया। उनके शब्द भारी थे, लेकिन उनमें एक अद्भुत संतुष्टि थी।

जू, चेन बोले, आवाज टूटते हुए, इस जीवन में हमारा बंधन अब पूरा हुआ। तुमने मुझे कभी अकेला महसूस नहीं होने दिया। पचास साल तुमने मुझे खुश रखा। आखिरी 105 दिनों में मैंने कोशिश की कि तुम्हें थोड़ी राहत मिले। शायद अब तुम्हें आराम करना है। मैं तुम्हें कभी नहीं भूलूँगा। जब तक मेरी साँसे हैं, तुम मेरे साथ रहोगी।

अस्पताल का वह कमरा उस दिन एक अलग ही शांति में डूब गया था। वहाँ मौत का शोक नहीं, बल्कि एक अमर प्रेम की विजय थी। डॉक्टर और नर्सें, जो रोज मौत देखते हैं, वे भी आँखें पोंछने लगे। एक बूढ़े आदमी का उसकी पत्नी के प्रति यह अंतिम समर्पण सबके दिलों को छू गया था।

चेन के लिए वह 105 दिन का सफर केवल एक रास्ता नहीं था; यह दो आत्माओं को जोड़ने वाला एक 'प्रेम का सेतु' था। उन्होंने अपनी इस यात्रा से यह साबित कर दिया कि मृत्यु शरीर को अलग कर सकती है, लोगों को भी अलग कर सकती है, लेकिन उस पवित्र समर्पण को और उस प्यार को कभी नहीं तोड़ सकती, जिसे आधी सदी तक साथ जिया गया हो।उस शाम जब चेन अपने सूने घर में लौटे, तो दीवारों पर सन्नाटा पसरा हुआ था। मगर जू की खुशबू अब भी हवाओं में घुली हुई थी। खिड़की के पास खड़े होकर उन्होंने उस पुरानी राह को निहारा, जहाँ से वे रोज निकलते थे। वह रास्ता अब महज़ धूल और मिट्टी की पगडंडी नहीं थी, बल्कि उनके प्यार का गवाह बन चुका था। उन्होंने महसूस किया कि जू कहीं नहीं गई। वह फिजाओं में है, घर के हर कोने में है, और उनकी हर साँस में है।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

युद्ध के विरुद्ध

मनुष्य कंदराओं में रहता था। सभ्यता के विकास के साथ उसने सामुदायिक उन्नति को आधार बनाया। परिणामस्वरूप नगर बसे, मनुष्य में अनेकानेक कलाओं का विकास हुआ। सारी विकास-यात्रा में तथापि भीतर का आदिम न्यूनाधिक बना रहा। इसी आदिम का एक पर्यायवाची है युद्ध। वस्तुत: युद्ध मनुष्य को ज्ञात और मनुष्य द्वारा विकसित एक ऐसी विद्रूप कला है जो मनुष्यता को ही विनाश के मुहाने पर ले आई। केवल विगत सौ वर्ष का इतिहास उठाकर देखें तो पाएँगे कि प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में तीन दशक से भी कम का अंतराल रहा। उसके बाद भी दुनिया निरंतर छोटे-बड़े युद्धों से जूझती रही है।

युद्ध की विभीषिका का दुष्परिणाम मनुष्य और मनुष्यता पर किस तरह से और कितना हुआ, इसका आँखें खोलने वाला एक प्रमाण 31 मार्च 2015 को एक फोटो के रूप में सामने आया था। यह फोटो युद्धग्रस्त सीरिया के शरणार्थी शिविर में रहने वाली 4 वर्षीय बच्ची हुडिया का था। फोटो जर्नलिस्ट ने जब फोटो खींचने के लिए अपना कैमरा इस बच्ची की ओर घुमाया तो युद्धग्रस्त क्षेत्र की बिटिया ने कैमरे को बंदूक समझा और क्षण भर भी समय लगाए बिना भय से आत्मसमर्पण की मुद्रा में अपने दोनों हाथ ऊपर उठा दिए। 'सरेंडर्ड' शीर्षक का यह मर्मस्पर्शी चित्र शेष बची मनुष्यता के हृदय पटल पर गहराई से अंकित हो गया।

साथ ही यह चित्र अनेक प्रश्नों को विस्तृत कैनवास पर खड़ा कर गया। मनुष्य शनै:-शनै: युद्ध का आदी होता जा रहा है। युद्ध का आदी होने का अर्थ है कि मृत्यु और विनाश, बर्बरता और विद्रूपता अब हमारी संवेदना पर तुलनात्मक रूप से काफ़ी कम प्रभाव डालते हैं। यह प्रक्रिया आगे चलकर मनुष्य को पूरी तरह से संवेदनहीन कर देती है।

इससे भी अधिक घातक और दुखदाई है कि मानुष से अमानुष होने की इस यात्रा पर कोई चिंतित नहीं दिखाई देता। पिछले कुछ वर्षों से विश्व अनेक बड़े युद्ध देख रहा है। प्रकृति का निरंतर विनाश हो रहा है। मनुष्य के उन्माद ने अंतरिक्ष को प्रक्षेपास्त्रों का अड्डा बना दिया है तो सागर की गहराइयों में संहारक क्षमता वाली पनडुब्बियाँ उतार दी हैं। धरती, सागर, आकाश सब बारूद के ढेर पर बैठे हैं। शांति के लिए युद्ध को अनिवार्य बता कर नोबल प्राप्त कर सकने का हास्यास्पद अभियान भी देखने को मिला। सचमुच यह मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य पर विचार करने का समय है।

विचार करने पर खुली आँखों से दिखता तथ्य है कि महा शक्तियों के लिए युद्ध व्यापार हो चला है। हर कोई अपने तरीके से युद्ध बेच रहा है। जो युद्ध की परिधि में हैं, वे तिल-तिल कर जी रहे हैं, उनका मरना भी तिल-तिल कर ही है। जो प्रत्यक्ष युद्ध की परिधि से बाहर हैं उनके लिए युद्ध मनोरंजन भर है। बमों के धमाकों की, मिसाइल की, युद्ध के अंतरराष्ट्रीय समीकरणों की चर्चा करते समय प्राय: मारे जा रहे लोग, पीड़ित स्त्रियाँ, आतंकित बच्चे मनुष्य की आंखों में नहीं तैरते। कुछ देर युद्ध की ख़बरें देखना लोगों के लिए असंख्य चैनलों में एक और विकल्प भर रह गया है।

अपनी कविता 'युद्ध के विरुद्ध' स्मरण हो आई है-

कल्पना कीजिए,
आपकी निवासी इमारत
के सामने वाले मैदान में,
आसमान से एकाएक
टूटा और फिर फूटा हो
बम का कोई गोला,
भीषण आवाज़ से
फटने की हद तक
दहल गये हों
कान के परदे,
मैदान में खड़ा
बरगद का
विशाल पेड़
अकस्मात
लुप्त हो गया हो
डालियों पर बसे
घरौंदों के साथ,
नथुनों में हवा की जगह
घुस रही हो बारूदी गंध,
काली पड़ चुकी
मटियाली धरती
भय से समा रही हो
अपनी ही कोख में,
एकाध काले ठूँठ
दिख रहे हों अब भी
किसी योद्धा की
ख़ाक हो चुकी लाश की तरह,
अफरा-तफरी का माहौल हो,
घर, संपत्ति, ज़मीन के
सारे झगड़े भूलकर
बेतहाशा भाग रहा हो आदमी
अपने परिवार के साथ
किसी सुरक्षित
शरणस्थली की तलाश में,
आदमी की
फैल चुकी आँखों में
उतर आई हो
अपनी जान और
अपने घर की औरतों की
देह बचाने की चिंता,
बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरुष
सबके नाम की
एक-एक गोली लिए
अट्टहास करता विनाश
सामने खड़ा हो,
भविष्य मर चुका हो,
वर्तमान बचाने का
संघर्ष चल रहा हो,
ऐसे समय में
चैनलों पर युद्ध के
विद्रूप दृश्य
देखना बंद कीजिए,
खुद को झिंझोड़िए,
संघर्ष के रक्तहीन
विकल्पों पर
अनुसंधान कीजिए,
स्वयं को पात्र बनाकर
युद्ध की विभीषिका को
समझने-समझाने का यह
मनोवैज्ञानिक अभ्यास है,
मनुष्यता को बचाए
रखने का यह यथासंभव प्रयास है!

अलबत्ता यह भी सच है की कभी-कभी युद्ध अपरिहार्य होता है। 'शठे शाठ्यं समाचरेत' के सूत्र से सहमत होते हुए भी यथासंभव युद्ध रोकने के सारे प्रयास किए जाने चाहिएँ। अठारह अक्षौहिणी सेना को निगल जाने वाले महाभारत युद्ध को रुकवाने के लिए योगेश्वर भी दुर्योधन के पास गए थे। युद्ध तब भी अंतिम विकल्प था, अब भी अंतिम विकल्प ही होना चाहिए।

नौनिहालों का आत्मसमर्पण, मनुष्यता के आत्मसमर्पण की घंटी है। यदि हम सच्चे मनुष्य हैं तो बचपन के चेहरे से आत्मसमर्पण के भाव को हटवा कर फोटो खिंचवाने की प्रसन्नता में बदलने की मुहिम में जुटना होगा। मानवता कराह रही है, मानवता बुला रही है। क्या हम सुन पा रहे हैं इस स्वर को?

वीर गाथा

मेजर आदित्य भदौरिया: पुलवामा के शेर ने किया खूंखार आतंकवादी को ढेर

मेजर आदित्य भदौरिया का जन्म हरियाणा के फरीदाबाद में हुआ था। माता राजकुमारी और पिता चंद्र प्रकाश सिंह के बेटे आदित्य भारतीय सेना की कुमाऊं रेजिमेंट में शामिल हुए थे। बाद में, उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 50वीं बटालियन में भेज दिया गया।

11 मार्च, 2022 को सेना को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि जम्मू-कश्मीर के पुलवामा ज़िले के एक गांव में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद आदित्य को मिशन लीडर की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने गांव में पहुंचकर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

आतंकवादियों पर हमला करने से पहले आम नागरिकों को वहां से बाहर निकालना जरूरी था। इसी दौरान आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने जवानों पर ग्रेनेड से भी हमला किया। इससे एक नागरिक घायल हुआ। नागरिकों और अपने जवानों की जान बचाने के लिए मेजर आदित्य ने आतंकवादियों की ओर जोरदार गोलीबारी की। उन्होंने नागरिकों की सुरक्षित निकासी का खास ध्यान रखा और उन रास्तों को बंद करवा दिया, जहां से आतंकवादी भाग सकते थे।

आदित्य ने देखा कि आतंकवादी ऐसी जगह छिप गए, जहां से वे तो जवानों को निशाना बना सकते थे, लेकिन खुद काफी सुरक्षित थे। मेजर ने एक बड़ा फैसला लिया और गोलीबारी के बीच रेंगते हुए आगे बढ़े। उन्होंने ग्रेनेड फेंका, जिससे घबराकर एक आतंकवादी बाहर निकलने को मजबूर हो गया।

आदित्य ने तुरंत गोली चलाई और उसे ढेर कर दिया। बाद में शिनाख्त करने पर पता चला कि वह बहुत खूंखार विदेशी आतंकवादी था। मेजर आदित्य भदौरिया ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अदम्य साहस दिखाते हुए अपना कर्तव्य निभाया। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

रोचक

पेड़ों की उम्र

दुनिया का सबसे पुराना जीवित पेड़ 'मैथुसेला' है, जिसकी उम्र लगभग 4,850 साल से अधिक है। यह अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्थित है।

बिजली की ताकत

आकाश से गिरने वाली बिजली में इतनी शक्ति होती है कि उससे 100 वॉट के बल्ब को 3 महीने तक जलाया जा सकता है।

बादलों का वजन

एक औसत सफेद बादल का वजन लगभग 5 लाख किलोग्राम (यानी 100 हाथियों के बराबर) हो सकता है, फिर भी वह हवा में तैरता रहता है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित फिल्म सिटी जल्द आकार लेगी, रोजगार का सृजन होगाः बोनी कपूर

नोएडा/लखनऊ/भाषा। मशहूर फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने शनिवार को कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' परियोजना जल्द ही आकार लेने वाली है और इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर इलाके में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उदघाटन समारोह में शामिल होने आए कपूर को हवाई अड्डे के पास 'नोएडा इंटरनेशनल फिल्म सिटी' विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें खुशी हुई।

कपूर ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, यहां आकर अच्छा लग रहा है। फिल्म सिटी का काम भी जल्द शुरू हो जाएगा, संभवतः चुनावों से पहले ही। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा। उन्होंने कहा कि परियोजना की तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं और स्थल पर शूटिंग का काम भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, अन्य हिस्सों पर भी काम शुरू हो गया है।

मेरा मानना है कि चुनावों से पहले काफी प्रगति हो जाएगी, जिसमें फिल्म सिटी की तैयारियां भी शामिल हैं। उन्होंने हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया कि वह 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों या 2029 के लोकसभा चुनावों का जिक्र कर रहे थे।

कपूर ने कहा कि हवाई अड्डे के चालू होने से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी 'ग्रीनफील्ड फिल्म सिटी' परियोजना को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा, जैसे ही हवाई अड्डा चालू होगा, इंटरनेशनल फिल्म सिटी' भी तेजी से आकार लेगी। सिर्फ फिल्म सिटी ही नहीं, बल्कि कई अन्य उद्योग भी यहां आएंगे, जिससे पूरे देश को लाभ होगा।

परियोजना को देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाला बताते हुए कपूर ने कहा, इस क्षेत्र का विकास, उत्तर प्रदेश का विकास है और उत्तर प्रदेश का विकास, भारत के विकास में योगदान देगा।

भारत संग घनिष्ठता के साथ काम करने को उत्सुक हूंः बालेन्द्र शाह

काठमांडू/भाषा। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने भारत के साथ रिश्तों को नई गति देने की इच्छा जाहिर करते हुए शनिवार को कहा कि वह भारत संग घनिष्ठता के साथ काम करने को उत्सुक हैं और शपथ ग्रहण के बाद शुभकामनाएं देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया। शुक्रवार को शपथ ग्रहण के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने शाह को बधाई देते हुए कहा था कि वह नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ मिलकर भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत करने के लिए काम करने के उत्सुक हैं। मोदी के संदेश के जवाब में नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, आपके स्नेहपूर्ण शब्दों और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं हमारे दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने और हमारी जनता की साझा समृद्धि के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। क्षेत्रीय रणनीतिक दृष्टि से नेपाल, भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण देश माना जाता है, और दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग को इस परिप्रेक्ष्य में खास अहमियत दी जाती है।

नेपाल सामान और सेवाओं के परिवहन के लिए बड़े पैमाने पर भारत पर निर्भर है। चारों तरफ से जमीन से घिरे होने के कारण समुद्र तक उसकी पहुंच भारत के रास्ते ही संभव है, और वह अपनी अधिकांश जरूरतों का आयात भी भारत से या भारत के माध्यम से ही करता है।

चुनाव की तैयारी

विधानसभा चुनावों से पहले जिला कलेक्टर अनु कुमारी ने नेय्याट्टिनकरा निर्वाचन क्षेत्र के लिए राज्य-स्तरीय मतपेटी वितरण का निरीक्षण किया।

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में रवि किशन बोले, भोजपुरी सिनेमा और साहित्य का गहरा संबंध

नई दिल्ली/एजेन्सी

प्रगति मैदान स्थित भारतमंडपम में 25 मार्च से शुरू हुए इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सितारों की रौनक ने दिल्ली को जगमगा दिया है। ऐसा पहली बार है जब दिल्ली में इतनी संख्या में बड़े सितारों का मेला लगा है। समारोह में आमिर खान, कंगना रनौत, कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा, भाजपा सांसद और भोजपुरी एक्टर रवि किशन के अलावा दक्षिण भारतीय सितारों को भी देखा गया। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहुंचे रवि किशन ने कहा, यह एक शानदार कदम है। मुझे इस मंडपम को देखने का मौका मिला। नरेंद्र मोदी ने एक विशाल ढांचा तैयार किया है जो दर्शाता है कि हम इस नए भारत में बहुत मजबूत हैं। इस फेस्टिवल से हमारे भारतीय फिल्म निर्माताओं को बहुत प्रोत्साहन मिला है कि उन्हें भी अपने भारत में फिल्म समारोह आयोजित करने, बातचीत करने और मीडिया से संपर्क करने का मौका मिला है।

अभिनेता ने ये भी बताया कि उनकी भोजपुरी फिल्म 'महादेव का गोरखपुर' की भी आज स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई है। इसके अलावा आगामी नेटफ्लिक्स सीरीज 'मामला लीगल है-2' को लेकर भी चर्चा होगी। रवि किशन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल पर अपने करियर और निजी जिंदगी से जुड़े राज भी खोलेंगे और सीरीज के प्रमोशन के साथ क्षेत्रीय सिनेमा के विकास पर भी बात होगी।

फिल्म फेस्टिवल के लिए रवि किशन ने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को धन्यवाद दिया। उनका कहना है कि उस कदम से भारतीय सिनेमा और कल्चर को बल मिलेगा और दिल्ली ही नहीं, बाकि सभी राज्यों में सिनेमा के विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। भोजपुरी सिनेमा पर बात करते हुए अभिनेता ने आगे कहा, भोजपुरी फिल्म उद्योग का साहित्य से गहरा संबंध है। 1962 में हमारे अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चाहते थे कि भोजपुरी में फिल्में बनें। इसलिए, नजीर हुसैन ने एक फिल्म बनाई और फिल्म बनाने की बात हवाई जहाज में हुई थी। फिल्म का नाम था 'हे गंगा मैया तोहे पियरी चढ़ाइबो'। यहीं से इसकी शुरुआत हुई और फिर फिल्म उद्योग आगे बढ़ा। फिर 90 के दशक में यह उद्योग ठप हो गया। अभिनेता ने आगे बताया कि वे भोजपुरी में 400 से ज्यादा फिल्में कर चुके हैं और अभी हिंदी सिनेमा में काम करने में व्यस्त हैं लेकिन अगर उन्हें भोजपुरी से अच्छी फिल्म का ऑफर आता है तो वे जरूर करेंगे।

मुंबई की गलियों में सितारों की चमक! बॉलीवुड कलाकार मेधा शंकर और अविनाश तिवारी आज अंधेरी में पैपराजी के कैमरों में कैद हुए।

फिल्मों के बाद अब एनीमेशन में 'ताल' ठोकेंगे सुभाष घई

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक सुभाष घई ने अब प्रोडक्शन क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ा लिया है। दरअसल, उनकी अपनी कंपनी मुक्ता आर्टर्स लिमिटेड ने फिल्में बनाने के लिए एक बड़ी साझेदारी की है। निर्देशक की कंपनी ने प्रसिद्ध एनीमेशन कंपनी ग्रीन गोल्ड एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ हाथ मिलाया है। इसके तहत मुक्ता आर्टर्स की नई डिवीजन एसजीएम स्टूडियो ग्रीन गोल्ड के साथ मिलकर एनीमेशन फिल्में और सीरीज बनाएगी। सुभाष घई ने अपने आधिकारिक इंस्टग्राम अकाउंट पर अपने स्टूडियो का लोगो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, मुक्ता आर्टर्स अब दुनियाभर के सिनेमा के लिए एनिमेशन फिल्में बनाने के नए दौर में कदम रखा रहा है। इसके लिए हमारी नई डिवीजन एसजीएम एनीमेशन स्टूडियो शुरू की गई है, जो प्रसिद्ध कंपनी ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ काम करेगी।

निर्देशक ने कंपनी की ग्रीन एनीमेशन प्राइवेट लिमिटेड की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस प्रसिद्ध कंपनी ने छोटा भीम जैसे कई सफल प्रोजेक्ट बनाए हैं। उन्होंने लिखा, हमें बहुत खुशी है कि हम अपनी भारतीय कहानियों को एनिमेशन के जरिए नई पीढ़ी और परिवारों तक पहुंचाएंगे। इसमें हमारे साथ राजीव चिलाका जी जैसे अनुभवी पार्टनर हैं। छोटा भीम और नरसिम्हा की सफलता ने हमें प्रेरित किया है कि हम अपनी मजबूत कहानियों पर और फिल्में बनाएं। राजीव जी को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई।

'आखिरी सवाल' का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता संजय दत्त इन दिनों आदित्य धर द्वारा निर्देशित स्पाइ एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर 2' में एसपी चौधरी असलम की दमदार भूमिका के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। मूवी में संजय दत्त की एक्टिंग, एक्शन सीन्स, जबरदस्त डॉयलॉग और स्क्रीन प्रजेंस काफी पसंद की जा रही है। इस बीच अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'आखिरी सवाल' का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर कर फैंस को एक और सरप्राइज दिया है।

'आखिरी सवाल' के निर्माताओं ने गुरुवार को फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी। संजय दत्त ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, यह वो सवाल है जो भारत ने कभी पूछना बंद नहीं किया। इसका जवाब जानने के लिए तैयार हो जाइए। 15 मई को सिर्फ सिनेमाघरों में। पोस्टर में संजय दत्त का एक सीरियस और दमदार लुक नजर आ रहा है।

अभिजीत मोहन वारंग द्वारा निर्देशित और निखिल नंदा द्वारा निर्मित 'आखिरी सवाल' एक आगामी हिंदी फीचर फिल्म है, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्षों के इतिहास और विचारधारा पर आधारित है। मूवी की स्क्रिट उत्कर्ष नैथानी ने लिखी है। 'आखिरी सवाल' फिल्म में संजय दत्त के अलावा, अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक प्रोफेसर और रिसर्च स्कॉलर के इर्द-गिर्द घूमेगी। संजय दत्त देश के एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्होंने हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मराठी और पंजाबी फिल्मों में भी काम किया है।

साइबर खतरे अब आंकड़ों की चोरी तक सीमित नहीं, जीवन को भी जोखिम : डेलॉयट

नई दिल्ली/भाषा। बढ़ते साइबर हमलों के बीच अब खतरा सिर्फ आंकड़ों की चोरी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सीधे लोगों की जान के लिए भी जोखिम बन गया है। एक वरिष्ठ साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने यह बात कही।

डेलॉयट के दक्षिण एशिया में भागीदार और साइबर मामलों के प्रमुख गौरव शुक्ला ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी और संचालन प्रणालियों के आपस में जुड़ने से हमलों का दायरा बढ़ गया है। इससे विमानन, परिवहन और सार्वजनिक सेवाओं जैसे क्षेत्र ज्यादा खतरे में आ गए हैं। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल बदलाव तेजी से हुआ है, जिससे हमले की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। जितनी ज्यादा प्रणालियां जुड़ती हैं, उतने ही अधिक मौके हमलावरों को मिलते हैं। शुक्ला ने उदाहरण देते हुए कहा, अगर आप राजमार्ग पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस कार चला रहे हों और अचानक उसका स्टीयरिंग आपके नियंत्रण में न रहे, तो आप अपने बैंक खाते की नहीं, बल्कि अपनी जान की चिंता करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि अब साइबर सुरक्षा केवल डेटा की सुरक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सीधे मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़ गई है।

शुक्ला ने बताया कि अगर किसी चिकित्सा उपकरण में साइबर हमला कर मरीज के बारे में जानकारी बदल दिए जाएं, तो यह जानलेवा हो सकता है। वहीं, बिजली उत्पादन या आपूर्ति व्यवस्था पर हमला होने से पूरे देश में अंधेरा छा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की करीब आठ अरब आबादी के बीच 30 अरब से ज्यादा सेंसर वाले उपकरण मौजूद हैं, यानी हर व्यक्ति के आसपास औसतन तीन से अधिक ऐसे उपकरण होते हैं। भारत की डिजिटल प्रगति पर उन्होंने कहा कि देश की डिजिटल सार्वजनिक व्यवस्था, जिसे आम तौर पर 'इंडिया स्टैक' कहा जाता है, अब दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुकी है। डेलॉयट करीब 24 देशों को ऐसी ही व्यवस्था बनाने में सलाह दे रहा है।

हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि जैसे-जैसे यह व्यवस्था पहचान और भुगतान से आगे बढ़कर शिक्षा और स्वास्थ्य तक पहुंचेगी, वैसे-वैसे नए खतरे भी पैदा होंगे।

जनवरी में भारत के लगभग 80 प्रतिशत डिजिटल भुगतान इसी व्यवस्था के माध्यम से हुए, इसलिए इसकी सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगर हमलावर कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करते हैं, तो हमले और तेज और बड़े स्तर पर हो सकते हैं। इसलिए लगातार जांच और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना जरूरी है।

शुक्ला ने कहा कि पारंपरिक युद्ध सीमित समय के होते हैं, लेकिन साइबर युद्ध लगातार चलते रहते हैं। इससे निपटने के लिए कंपनियों, शिक्षण संस्थानों और सरकार के बीच लगातार सहयोग जरूरी है।

हनुमान जयंती पर सामने आएगा रणबीर कपूर का 'राम' लुक

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक 'रामायण' को लेकर दर्शकों के बीच काफी समय से उत्साह बना हुआ है। फिल्म में रणबीर कपूर 'राम' का किरदार निभा रहे है। अपने पसंदीदा अभिनेता को 'राम' अवतार में देखने के लिए फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। अब इस इंतजार को खत्म करने की तारीख सामने आ गई है। दरअसल, फिल्म के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम के जरिए बताया कि फिल्म से रणबीर का फर्स्ट लुक कब जारी होगा। नमित मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट साझा किया और राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, ''रामायण सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हर भारतीय की भावना से जुड़ी हुई है। पूरी टीम ने इस प्रोजेक्ट पर जिम्मेदारी और समर्पण के साथ काम किया है, ताकि 'रामायण' को उसके असली रूप और भव्यता के साथ दर्शकों के सामने पेश किया जा सके।'' पोस्ट में उन्होंने आगे बताया कि वे हनुमान जयंती के दिन 2 अप्रैल को 'राम' की अगली झलक दिखाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। इस झलक को दुनिया भर के फैंस के सामने भव्य तरीके से पेश किया जाएगा। साथ ही उन्होंने फैंस का धन्यवाद भी किया कि उन्होंने इस फिल्म के लिए इतना इंतजार किया और उन पर भरोसा बनाए रखा।

नमित मल्होत्रा ने कैप्शन में लिखा, हम 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के शुभ अवसर पर 'राम' की अगली झलक आपके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं। साथ ही हम अपने कई साल के प्रयासों को फैंस के साथ एक ग्रैंड लॉन्च के जरिए दिखाने जा रहे हैं। इस खास पल को दुनिया भर में मनाएंगे। आपके प्यार, विश्वास और धैर्य के लिए धन्यवाद।''

इस फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं और इसमें कई बड़े कलाकार नजर आएंगे। साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देंगे, वहीं अमिताभ बच्चन और लारा दत्ता भी नजर आएंगे।

सालों गायब रहने के बाद अक्षय खन्ना ने कैसे किया धमाकेदार कमबैक?

मुंबई/एजेन्सी

दसंबर 2025 में आई आदित्य धर की मेगा-ब्लॉकबस्टर 'धुरंधर' में जब अक्षय खन्ना ने कराची के खूंखार डॉन का किरदार निभाया, तो 'रहमान डकैत' का रोल दर्शकों को खूब भाया। आपको जानकर हैरानी होगी कि बॉलीवुड के कई ए-लिस्टर एक्टर्स ने यह रोल ठुकरा दिया था। पर अक्षय खन्ना ने इस चुनौती को स्वीकार किया। जब 'धुरंधर' पर्दे पर आई, तो उनके 'रहमान डकैत' का किरदार ने सबके रोंगटे खड़े कर दिए। फिल्म में उनका स्वैग भरा डांस जेन-जी के लिए एक नए एंथम जैसा बन गया। साल 2025 में ही 'छावा' में उनके 'औरंगजेब' के किरदार ने भी क्रिटिक्स को दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया। लेकिन 51 साल के इस 'शोस्टॉपर' की कहानी किसी आम सुपरस्टार जैसी नहीं है।

दिवंगत अभिनेता विनोद खन्ना के पुत्र अक्षय खन्ना ने उस दौर में बॉलीवुड में कदम रखा, जब सिनेमा के पर्दे पर संवादों का शोर और ओवर-द-टॉप एक्टिंग का बोलबाला था। साल 1997 में अपनी पहली फिल्म 'हिमालय पुत्र' की असफलता के बाद, महज 21 वर्षीय अक्षय ने जे.पी. दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' से अपनी एक विशिष्ट पहचान स्थापित की। फिल्म के अंतिम दृश्यों में शौर्य

और अदम्य साहस का परिचय देते 'धर्मवीर भाकरी' के किरदार ने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी।

हालांकि, 28 मार्च 1975 को मुंबई में जन्मे अक्षय खन्ना के करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साल 2001 में फरहान अख्तर की फिल्म 'दिल चाहता है' के साथ आया। जिस दौर में उनके समकालीन अभिनेता मारधाड़ वाले किरदारों में व्यस्त थे, उस समय अक्षय ने 'सिद्धार्थ' के रूप में एक बेहद शांत और परिपक्व प्रेमी की भूमिका निभाई। कैनवास पर रंगों से बातें करने वाले 'सिड' का अपनी उम्र से बड़ी एक तलाकशुदा महिला के प्रति वह मूक और निश्छल प्रेम, हिंदी सिनेमा के सबसे संजीदा किरदारों में शुमार हो गया।

उनकी आंखों की उदासी ने हिंदी सिनेमा में एक नए 'संवेदनशील मर्द' की परिभाषा गढ़ी। इस फिल्म में उनके शानदार अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर का सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला था।'हमराज', 'हंगामा', 'रेस' जैसी फिल्मों में अपनी विलेनरी और कॉमेडी का लोहा मनवाने के बाद, और 'गांधी, माई फादर' जैसी फिल्म में ऐतिहासिक अभिनय करने के बावजूद एक दौर ऐसा आया जब अक्षय खन्ना अचानक गायब हो गए।2012 से 2016 के बीच, पूरे 4 साल तक वो पर्दे से दूर रहे। कास्टिंग डायरेक्टर्स की लिस्ट से मानो जैसे उनका नाम काट दिया गया था। लेकिन, 'इत्तेफाक,' 'मॉम' और 'दृश्यम 2' के तेज-तर्रार पुलिस वाले के तौर पर उन्होंने अपनी जबरदस्त वापसी की। इसी ताकत ने उन्हें अपनी दूसरी पारी में 2025 के उस शिखर तक पहुंचाया, जहां तक पहुंचना आसान नहीं था।

प्रियदर्शन के साथ भूत-बंगला में काम करना सपने के सच होने जैसाः जिशु सेनगुप्ता

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को यूए-16 की रेटिंग के साथ रिलीज की अनुमति मिली है। फिल्म में बंगाली एक्टर जिशु सेनगुप्ता ने भी अहम किरदार निभाया है। अब उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करने को किसी सपने के सच होने जैसा बताया है। आईएएनएस से खास बातचीत में जिशु सेनगुप्ता ने कहा, डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करना उनके लिए सपने का सच होने जैसा है, क्योंकि जब वे सीरियस फिल्म बनाते हैं, तब सेट पर गंभीरता का पैमाना अपने आप सेट हो जाता है और जब वे कॉमेडी फिल्म बनाते हैं तो सेट पर कॉमेडी के नए आयाम स्थापित हो जाते हैं। मेरी पहली मुलाकात इनसे सीसीएल में हुई थी, जब मैंने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि समय ज्यादा लग गया, लेकिन उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ सेट पर काम करने के अनुभव पर जिशु सेनगुप्ता ने कहा, पहले कुछ दिन अजीब लगता है, मैं नर्वस नहीं था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था क्योंकि सेट पर एक के बाद दूसरा शॉट हो रहा था और नहीं पता कि सीन में कोई कमी तो नहीं है। मैंने

पूछा तो पता चला कि सब कुछ परफेक्ट है। जब सब कुछ परफेक्ट होता तो डायरेक्टर कुछ नहीं बोलते और जब कमी होती तो वे सामने से आकर बोलते थे। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर सेट पर सबकी सुनते थे। अक्षय सर कुछ बताते तो वो तुरंत मान जाते थे।

'भूत-बंगला' के लिए 'हां' करने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि भले ही फिल्म में बहुत सारे किरदार हैं, लेकिन हर किरदार का अपना अस्तित्व है और अलग कहानी है। मेरे लिए अच्छा किरदार बहुत मायने रखता है और यही कारण है कि मैंने फिल्म को करने के लिए 'हां' की।

हिंदी सिनेमा और बंगाली सिनेमा में बनने वाली फिल्मों पर जिशू ने कहा कि दोनों सिनेमा में पैसों का बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा, बंगाली सिनेमा में फिल्म 3 करोड़ में बन जाती है और फिल्म को शूट करने में 16-18 या 20 दिन काफी हैं, लेकिन बॉलीवुड में फिल्मों का बजट बहुत ज्यादा होता है। उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी फिल्म का गाना ही 10 दिन में शूट होता है, क्योंकि भव्य सेट बनाए जाते हैं। इतने में बंगाली सिनेमा में आधी फिल्म शूट हो चुकी होती है।

फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत को लेकर अभिनेता का कहना है कि वो कभी भी एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे, क्योंकि उनके पिता थिएटर एक्टर थे। उन्होंने कहा, मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं फिल्मों में आऊं और न ही मैं आना चाहता था। मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है और खुद का बैंड भी है, लेकिन किस्मत पता नहीं कैसे सिनेमा में ले आई। अभिनेता ने खुलासा किया कि वे कभी अपनी खुद की फिल्में नहीं देखते हैं।

'सीरवी समाज को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता'

सीरवी समाज महासभा का होली मिलन एवं युवा चिंतन सम्मेलन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सीरवी समाज महासभा कर्नाटक के तत्वावधान में होली स्नेह मिलन एवं प्रोफेशनल युवा चिंतन सम्मेलन का आयोजन शनिवार को सीरवी समाज ट्रस्ट हेब्बाल में किया गया। बताया गया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में शिक्षा, संगठन की मजबूती, एकता और आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है, जिससे समाज के समग्र विकास को नई दिशा मिल सके। वर्तमान समय में बदलते परिवेश के साथ आधुनिक ज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी और व्यवसायिक कौशल को अपनाना आवश्यक है। ऐसे में समाज के प्रोफेशनल युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सम्मेलन के माध्यम से युवाओं को समाज से जोड़ने, उनकी ऊर्जा और अनुभव का लाभ नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा समाज के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। ङ्कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान किया गया। इस सम्मेलन में सामाजिक विषयों पर चर्चा तथा भावी कार्ययोजनाओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

महासभा के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार ने विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में डाक्टर, इन्जीनियर, सीए, यूपीएससी की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। कहा गया कि सीरवी समाज के सभी उद्योगपतियों को एक मंच पर आकर एक-दूसरे के व्यवसाय की जानकारी साझा करनी चाहिए, जिससे आपसी सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और व्यापार को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी। समाज को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल का निर्माण किया जाना चाहिए, ताकि दूर-दराज से आने वाले छात्र-छात्राएं वहां रहकर सुगमता से पढ़ाई कर सकें और अपने भविष्य को बेहतर बना सकें। अगला सम्मेलन सीरवी समाज तुमकुर भवन में आयोजित किया जाएगा। महासभा के पदाधिकारियों को पहचान कार्ड वितरित किए गए। इस मौके पर सीरवी समाज होसकोटे के अध्यक्ष कानाराम चोयल, जिगनी के अध्यक्ष मांगीलाल राठौड, सुंकदकट्टे के अध्यक्ष इन्दरलाल सोलंकी व हेब्बाल के सचिव वालाराम सोलंकी, सहसचिव सोहनलाल राठौड़ आदि का महासभा की ओर से सम्मान किया गया।

कर्म का अटल सिद्धांत, जो जैसा करेगा, वैसा भरेगा : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शनिवार को जैन मरुधर संघ के तत्वावधान में नवपद ओली पर्व के चौथे दिन मरुधर शांति भवन में प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि प्रकृति का एक शाश्वत नियम है, जैसा करोगे, वैसा भरोगे। जैसा बीज बोओगे, वैसा फल पाओगे। यही कर्मवाद का अटल सिद्धांत है। हर जीव के लिए यह नियम लागू होता है। प्रमाद में या जागृत अवस्था में आत्मा प्रतिपल शुभ-अशुभ कर्मों का अनुबंध करती है। वह बीजारोपण है। फिर समय-समय पर आत्मा उन अनुबंधित कर्मों को समाप्त करने अथवा अधिक मजबूत बनाने की कोशिश करती हैं। वह कर्मों की फसल को खाद-पानी देने जैसा है। समय आने पर कर्म का विपाक बनता है यानी कर्म की फसल तैयार होती है। फल पक जाता है। फिर वे शुभ-अशुभ कर्म भुगतान में आते हैं, अर्थात किए गए शुभ-अशुभ कर्मों का अनुकूल-प्रतिकूल, अच्छा-बुरा फल मिलता है।

कर्मवाद की इस तार्किक व्यवस्था को गहराई से समझने जैसा है। जैनाचार्य ने कहा कि इच्छा से भुगतो या अनिच्छा से भुगतो, हर जीव को अपने कृत कर्मों का प्रतिफल अवश्य भुगतना पड़ता है। धर्मशास्त्रों का उपदेश है कि कर्मफल के भुगतान में कोई सिफारिश, रिश्वत या पक्षपात काम नहीं आते। एक का किया हुआ, दूसरे को भुगतना पड़े, ऐसी व्यवस्था कर्मवाद के सिद्धांत में नहीं है। इसलिए हर छोटे-बड़े, उचित-अनुचित कर्म करने से पहले सावधान रहना अत्यंत आवश्यक है। कर्म के प्रतिफल हस्तांतरित भी नहीं होते। पिता का किया हुआ पुत्र के काम नहीं आता और पति का किया हुआ पत्नी को भुगतना नहीं पड़ता। जो कर्मवाद के सिद्धांतों को भलीभांति समझ लेता है, वह अच्छा जीवन जीने लग जाता है। उसकी जिंदगी हल्की बन जाती है। भगवान महावीर कहते हैं कि कर्म बोझ हैं, वे जीवन यात्रा को भारी बनाते हैं। यदि आपको सुख-शांति से जीवनयापन करना है तो गलत कर्मों से बचना चाहिए और अच्छे कर्म करने में सदैव तत्परता दिखानी चाहिए।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने बताया कि मनुष्य के मन की यह कमजोरी है कि वह गलत कार्य करते समय फिसल जाता है और अच्छे कार्य करने में हिचकिचाता है। दोनों ही परिस्थितियां ठीक नहीं हैं। कर्ममुक्ति ही संसारमुक्ति का सिद्धांत है। जैन दर्शन में ज्ञानावरणीय आदि आठ प्रकार के कर्मों की रोचक मार्मिक विवेचना हैं।

जैन दर्शन का कथन है कि महावीर, बुद्ध, कृष्ण, पांडव, राम, रावण, सबको अपने-अपने कर्मों का फल भुगताना पड़ा। जैन मरुधर संघ के मंत्री दिनेश संघवी ने बताया कि इस बार संघ में दो सौ पचास से अधिक बाल, युवा, प्रौढ़ साधक नवपद की आयंबिल ओली की साधना कर रहे हैं। यहां प्रतिदिन अरिहंत की विशेष पूजा-अर्चना, प्रदक्षिणा, देववंदना, मंत्रजाप, कायोत्सर्ग-ध्यान, प्रत्याख्यान-संकल्प, गुरुवंदना, धर्मोपदेश श्रवण, सामयिक व्रत और प्रतिक्रमण आदि सभी धर्म आराधनाएं बड़ी संख्या में भावपूर्वक की जा रही हैं।

रामनवमी पर जन सहयोग संगठन ने निकाली विशाल शोभायात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जन सहयोग संगठन द्वारा शुक्रवार को महादेवपुरा क्षेत्र में राम जन्मोत्सव के मौके पर श्रीराम नवमी शोभायात्रा निकाली गई। इस यात्रा के माध्यम से रामभक्तों ने प्रभु श्रीराम के आदर्शों को स्मरण करते हुए पूरे क्षेत्र में भक्ति, एकता और सद्भाव का संदेश दिया। इस शोभायात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मंजुला अरविंद लिंबावली व सामाजिक कार्यकर्ता एचएस पिलप्पा उपस्थित थे।

विधायक मंजुला ने सभी उपस्थित जनों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम हमारे आदर्श हैं हमें उनका अनुसरण करना चाहिए। शोभायात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं व दोपहिया वाहनचालकों ने भक्ति गीतों और राम धुन के साथ रैली निकाली व राम नाम की जयकारें लगाए। रैली में शामिल अधिकतर जनों ने भगवा वस्त्र धारण किए हुए थे जिससे पूरा क्षेत्र भगवामय हो गया। जनसहयोग संगठन के अध्यक्ष बीरबहादुर सिंह ने सभी को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए सभी का स्वागत किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गौसेवा

बेंगलूरु की अलसूर महिला मंडल की सदस्याओं ने हेन्नूर स्थित श्री कृष्ण गौशाला पहुंच कर गौशाला के संचालक पुखराज महाराज को गौसेवार्थ एकत्रित एक लाख ग्यारह हजार रुपए की सहायता राशि भेंट की। महावीर जन्म कल्याणक के संदर्भ में जीवों पर अनुकम्पा भाव से महिला सदस्याओं ने यह सहयोग राशि एकत्रित की थी। महिला मंडल की ओर से अध्यक्ष आशाबाई बोहरा, इंदिरा गादिया, चंचल आच्छा एवं मंजू लोढ़ा आदि उपस्थित थीं।

जीतो नॉर्थ लेडीज विंग के 'महक मिट्टी की' कार्यक्रम में दिखी राजस्थानी झलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ लेडीज विंग द्वारा 'महक मिट्टी की' नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को गणेश बाग में किया गया। महक मिट्टी की कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, संस्कारों और जड़ों को गर्व के साथ जीने का एक जीवंत उत्सव था। कार्यक्रम में करीब 175 उपस्थित सदस्याएं पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में सजी धजी नजर आई। लेडीज विंग की उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को राजस्थान दिवस की शुभकामनाएं दी।

जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी व लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपेक्स व चैप्टर की बिंदु रायसोनी, सुनीता गांधी, पिंकी जैन, बबीता रायसोनी, रेशमा पुनमिया, चित्रा मेहता, अंजलि जैन एवं रतनीबाई मेहता उपस्थित थीं। सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। ङ्कार्यक्रम की मुख्य वक्ता नीलम ललवानी ने राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, विरासत और त्योहारों के महत्व को बताते हुए कहा कि ये परंपराएं केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला हैं।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि परिवार के बुजुर्ग हमारे घर की जड़ होते हैं, उनकी सेवा और सम्मान हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राजस्थान की संस्कृति हमें परिवार को जोड़कर रखने और रिश्तों को निभाने की सीख देती है। लेडीज विंग की महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर नवकार दिवस के बैनर का भी विमोचन किया गया।

भारत ने मोदी-ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत में मस्क के शामिल होने की खबरों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शनिवार को उस मीडिया रिपोर्ट को खारिज किया जिसमें कहा गया था कि अरबपति एलन मस्क इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत में शामिल थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मंगलवार को केवल दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी।

'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने खबर दी कि मोदी और ट्रंप ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर जब मंगलवार को बातचीत की, उस समय अरबपति कारोबारी एलन मस्क भी फोन पर उनके साथ मौजूद थे।

'न्यूयॉर्क टाइम्स' ने अमेरिका के आधिकारिक सूत्रों के हवाले से खबर दी कि मंगलवार को ट्रंप और मोदी की फोन पर हुई बातचीत में एलन मस्क भी शामिल हुए थे। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच दो देशों के प्रमुखों के बीच हुई बातचीत में सरकार के इतर किसी नागरिक का मौजूद होना असामान्य है।

जायसवाल ने कहा, 24 मार्च को फोन पर बातचीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच ही हुई थी। उन्होंने कहा, जैसा कि पहले भी कहा जा चुका है, इससे पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर मिला।

पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत है।

बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला, सुरक्षित और सुलभ बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए कहा था कि यह विश्व में शांति, स्थिरता और आर्थिक खुशहाली के लिए महत्वपूर्ण है।

रामनवमी पर मायुमं ने किया अन्नदान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मारवाड़ी युवा मंच(मायुमं) बेंगलूरु द्वारा शुक्रवार को राम नवमी के अवसर पर नायडहल्ली फ्लाईओवर के पास इस वर्ष का 13वें अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को भोजन कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीराम की पूजा एवं आरती के साथ की गई । इस कार्यक्रम में परियोजना संयोजक रुपेश केडिया, अध्यक्ष गोपाल कुमार अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

सिद्धांतों के प्रति समर्पित महान व्यक्तित्व थे आचार्य भिक्षु : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा आडगुड़ी के तत्वावधान में सरजापुर में बोथरा निवास पर विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में शुक्रवार को आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस तथा भिक्षु संध्या का आयोजन किया गया। साध्वी संयमलताजी ने कहा कि सत्य और न्याय के प्रबल समर्थक व 18वीं सदी के महान क्रांतिकारी संत थे आचार्य भिक्षु। अपने सिद्धांतों के प्रति समर्पित महान व्यक्तित्व थे आचार्य भिक्षु, जिन्होंने सत्य की सुरभि से भूतल को सुरभित किया, संघर्षों के तूफान उनके द्वारा जलाई गई मशाल को बुझा नहीं सके। आज ही का दिन तेरापंथ का उदय काल बना। श्रीराम का जन्म भी आज के दिन हुआ और 'तेरापंथ के राम' आचार्य भिक्षु ने अभिनिष्क्रमण कर तेरापंथ को जन्म दिया। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कहा कि आचार्य भिक्षु पुण्यशाली व्यक्ति थे। समाज में नई चेतना का संचार करने वाले थे, अपने उपदेशों और अध्यात्म गहराइयों से लोगों में धार्मिक चेतना को जागृत किया। श्रावक समाज आचार्य भिक्षु की आज्ञा अनुशासन में चलकर धर्म संघ में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस मौके पर आयोजित भक्ति संध्या में संघ गायक गुलाब बांठिया तथा देवेंद्र नाहटा ने भक्ति का समा बांधा। आडुगुड़ी सभा की अध्यक्षा स्वर्णमाला पोखरना ने सभी का स्वागत किया।

आचार्य जिनशासन के राजा तो उपाध्याय युवराज होते हैं : गणिवर्य मनीषप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित नवपद ओली के चतुर्थ दिवस पर उपाध्याय पद की आराधना विषय पर प्रवचन में गणिवर्य मनीषप्रभसागरजी ने कहा कि उपाध्याय यानी विनय की प्रतिमूर्ति। उपाध्याय शिष्यों के पठन पाठन की जिम्मेदारी व निश्रावर्ती सभी साधुओं को संयम मार्ग में स्थिर करने का महान कार्य करते हैं। आचार्य शासन को चलाते हैं तो उपाध्याय संघ की बागडोर संभालते हैं।

जिस वाणी को तीर्थंकरों ने कहा है उस वाणी को उपाध्याय हमें सुनाते हैं। योग्य आत्मा को वात्सल्य, समझ, स्नेह देकर उसे धर्म में रत रखना उनकी जिम्मेदारी है। जैसे पंच परमेष्ठी में बीच में आचार्य विराजित है, वैसे गुरु तत्त्व के बीच उपाध्याय विराजित है। साधु और आचार्य के बीच में पुल का कार्य उपाध्याय करते हैं। आचार्य जिनशासन के राजा हैं तो उपाध्याय जिनशासन के युवराज हैं और आने वाले समय में वो आचार्य बनकर शासन को मार्ग दिखाते हैं। आचार्य को तीर्थंकर की उपमा दी गई है तो उपाध्याय को गणधर की उपमा दी गई है। उपाध्याय भगवंत गच्छ की जिम्मेदारी सँभालते हैं, जिससे आचार्य गच्छ के साथ शासन को चला सकते हैं। गणिवर्य ने कहा कि मुमुक्षु को दीक्षा आचार्य देते हैं तो उपाध्याय उसे संभालते हैं। आचार्य पिता जैसे हैं तो उपाध्याय माता के समान होते हैं। उपाध्याय पदधारी से हमें विनय गुण की याचना करनी चाहिए। गौतम स्वामी को उपाध्याय पदधारी कहा जाता है। संतश्री ने मयणा सुन्दरी और श्रीपाल रास का भी वांचन किया।

परंपरा

भागलपुर के ऐतिहासिक दुर्गाबाड़ी मंदिर में विसर्जन के दौरान बंगाली समुदाय की महिलाओं ने हर्षोल्लास के साथ 'सिंदूर खेला' मनाया।

राम जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बैलकनहल्ली के मां दुर्गा पूजा समिति ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार को मां दुर्गा देवी मंदिर में नवरात्रि समापन पर मां दुर्गा पूजा महोत्सव एवं राम जन्मोत्सव मनाया गया। स्थानीय कलाकारों ने मनभावन भजनों की प्रस्तुति दी जिससे माहौल भक्तिमय हो गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हर भारतीय का विचार, विश्वास एवं स्वाभिमान है। ट्रस्ट के पीके सिंह, पीएस पांडे, राम प्रवेश, नारायण यादव एवं फेकू गुप्ता ने मुणोत का सम्मान किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**